आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 12 जनवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 66

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

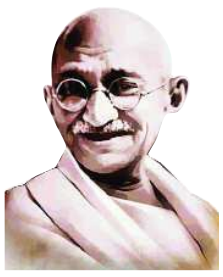

राष्ट्रपिता को नमन...

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत। आज स्वामी विवेकानंद जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सूर्य नमस्कार किया, वहीं इंदौर में शिक्षा विभाग द्वारा जिलास्तरीय मुख्य कार्यक्रम में भाग लेते हुए अधिकारी एवं छात्र-छात्राओं ने भी आसन का अभ्यास किया।

अंदर के पन्नों पर...

हाईकोर्ट की फटकार से पहले जागा निगम

पेज-2

सबालेंका ने जीता 21वां डब्ल्यूटीए खिताब

पेज-5

सीईओ के निर्देश से ज्यादा डर हुआ हावी

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- इसरो ने लॉन्च किया देश का सबसे अहम डिफेंस सैटेलाइट 'अन्वेषा'
- ड्रोन मूवमेंट के बाद जम्मू-कश्मीर में हाई अलर्ट, एलओसी और भारत-पाक सीमा पर सुरक्षा कड़ी
- ग्रीनलैंड पर ट्रंप का बड़ा दावा, बोले- अगर अमेरिका ने नहीं लिया तो रूस या चीन कब्जा कर लेंगे
- ईरान को इंटरनेट देने की तैयारी?, डोनाल्ड ट्रंप बोले- स्टारलिंक पर विचार करेंगे, एलन मस्क से बात हो सकती है
- पीएमके फाउंडर रामदास चुनाव आयोग पहुंचे, अंबुमणि के खिलाफ कार्रवाई की मांग

निगम-मंडलों में लगा ब्रेक, आयोग और नगरीय निकायों में पद भरने की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● सरकार और संगठन ने फिलहाल निगम-मंडलों की नियुक्तियों को होल्ड पर रखा है। एक दर्जन से अधिक निगम मंडलों में नियुक्तियों के नाम फाइनल होने के बाद इन्हें रोक दिया है। दरअसल सरकार और संगठन का फोकस अभी विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी रामजी) को लेकर है। इस योजना के फायदे जनता तक पहुंचाने के लिए आयोजन किए जा रहे हैं। इसके चलते फिलहाल निगम मंडलों की नियुक्तियों को रोक दिया है।

गौरतलब है कि राजनीतिक नियुक्तियों के लिए पिछले तीन महीने से बैठकों का दौर चल रहा है। निगम मंडल, बोर्ड सहित अन्य राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर केंद्रीय नेतृत्व से भी हरी झंडी मिल चुकी है, लेकिन इन नियुक्तियों अब रोक दिया है। दरअसल सरकार और संगठन की पहली प्राथमिकता जी रामजी योजना है। इसको लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दो दिन पहले पत्रकारवार्ता का आयोजन किया था। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल इसी योजना को लेकर प्रदेश के दौर पर हैं। उन्होंने शनिवार को इस आयोजन से जुड़ी जानकारी रतलाम में मीडिया के सामने रखी। सरकार ने प्रदेश के सभी जिलों में इस योजना को लेकर बैठकें करने का टारगेट भी नेताओं को दिया है। भाजपा इस योजना से जुड़ी हर जानकारी जनता तक पहुंचाना चाहती है। इसको लेकर कार्यकर्ताओं को घर-घर तक योजना के फायदे पहुंचाने की जिम्मेदारी भी सौंपी जा रही है। सरकार और संगठन इस योजना को घर-घर तक पहुंचाने के काम में अभी जुटे हुए हैं।

जनभागीदारी समितियों में 100 से अधिक नियुक्तियां-प्रदेश के 500 से अधिक सरकारी कॉलेजों में वर्ष 2022 में जनभागीदारी समितियों में नियुक्तियां की गई थी। इनका कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। पिछले साल 3 नवंबर को 300 से अधिक जनभागीदारी समितियों का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। अन्य कॉलेजों की जनभागीदारी समितियों का कार्यकाल भी जल्द पूरा हो जाएगा। इसके चलते सरकार ने जनभागीदारी समितियों में भी नई नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जनभागीदारी समितियों का कार्यकाल तीन साल के लिए होता है। पहले चरण में 100 से अधिक कॉलेजों में जनभागीदारी समितियों की नियुक्तियां होंगी। अन्य कॉलेजों में सांसद-विधायकों के बीच सहमति नहीं बनने से नियुक्तियां अटकी हुई है।

30 नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति की लिस्ट फाइनल

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति होना है। पहले चरण में 30 नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति सूची फाइनल हो चुकी है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर नगर निगमों में 12- 12 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे, जबकि मुरैना, सिंगरौली, रीवा, सतना, छिंदवाड़ा, उज्जैन, सागर, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, रतलाम, कटनी नगर निगमों में 8-8 एल्डरमैन की नियुक्तियां की जाना है। इसके अलावा 99 नगर पालिकाओं में से लगभग 70 नगर पालिकाओं में 6-6 एल्डरमैन और 264 में से लगभग 180 नगर परिषदों में 4-4 एल्डरमैन के नाम तय करने की कवायद जारी है। दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर निगमों में 12-12 एल्डरमैन नियुक्त किए जा सकते हैं। नगर पालिकाओं में यह संख्या कम होती है। इन नियुक्तियों में विधायकों की पसंद का ध्यान रखा जाएगा। इन नियुक्तियों के लिए विधायकों से उनकी पसंद के नाम भी मांगे गए हैं।

मप्र के इन आयोगों में होनी है नियुक्तियां

मप्र पीड़ितों के न्याय दिलाने के लिए गठित आयोग सालों से खाली पड़े हैं। इनमें पदाधिकारी और सदस्यों की नियुक्तियां नहीं हो पाई। इसको देखते अब सरकार सबसे पहले आयोगों में नियुक्ति की तैयारी कर रही है। प्रदेश में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग, मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग, राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग, राज्य अनुसूचित जाति आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य सूचना आयोग, मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग, मध्य प्रदेश राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग में ज्यादातर में पद खाली पड़े हैं। इनमें से कुछ आयोगों में नियुक्ति की तैयारी शुरू हो गई है।

कमीशन का खेल : नर्मदा के अवैध कनेक्शन के लिए लीक की जाती हैं पानी की लाइनें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में पिछले दो सप्ताह से दूषित पानी के सेवन से हुई मौत पर बवाल मचा हुआ है। अफसरों से लेकर राजनेता और सरकार के पास इन मौतें का जिम्मेदार कौन है, इसका जवाब नहीं है। इस कांड में भले ही निगमायुक्त के साथ कर्मचारी की कुर्सी चली गई है, लेकिन इसकी सबसे निचली कड़ी पर अब तक किसी का ध्यान नहीं गया है, जो कि नर्मदा लाइनें से कनेक्शन देने का काम करती है।

प्लम्बरों की निगरानी की जरूरत- नर्मदा जल यंत्रालय के रिटायर्ड उपयंत्री जगदीश यादव (बदला हुआ नाम) ने बताया कि इंदौर में दूषित पानी की रोकथाम के लिए नगर निगम को प्लम्बरों पर निगरानी और नियंत्रण की जरूरत है, साथ ही वार्ड और जोन स्तर पर पार्षदों के काकस को खत्म करने की जरूरत है, क्योंकि जोन पर रसीद कटने के बाद मौके पर कनेक्शन कितने इंच का हो रहा है या फिर बगैर रसीद कनेक्शन तो नहीं हो रहा, इसकी जांच के नगर निगम की एक विजिलेंस टीम का गठन होना चाहिए, क्योंकि इंदौर में नर्मदा के 30 प्रतिशत कनेक्शन अवैध हैं, यही लीकेज का भी कारण है।

पार्षद और प्लम्बर का गठजोड़

एक पूर्व पार्षद ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सच्चाई यह है कि भाजपा-कांग्रेस दोनों के पार्षद अपने समर्थकों को नर्मदा कनेक्शन का ठेका दिलवाते हैं। यह पैनल निगम के जल यंत्रालय और पीएचई विभाग के साथ वार्ड अनुसार काम करती है। प्लम्बर-पार्षद के साथ सांठगांठ के चलते अवैध कनेक्शन का खेल किया जाता है।

अब हर मंगलवार होगी 'जल सुनवाई'

इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई 21 लोगों की मौत के बाद मध्यप्रदेश सरकार हरकत में आ गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूरे प्रदेश में जल व्यवस्था को सुधारने के लिए बड़े फैसलों का ऐलान किया है। अब राज्य के सभी शहरों और गांवों में नियमित रूप से 'जल सुनवाई' होगी। अब प्रदेश भर में हर मंगलवार को 'जल सुनवाई' आयोजित की जाएगी। यह सुनवाई केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि नगर निगम, नगर पालिका से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक अनिवार्य होगी। सीएम ने निर्देश दिए कि इसे केवल एक सरकारी औपचारिकता न माना जाए बल्कि जनता की समस्याओं को गंभीरता से हल किया जाए। पानी की बर्बादी रोकने और पाइपलाइन में सीवेज का गंदा पानी मिलने से रोकने के लिए सरकार अब आधुनिक तकनीक का सहारा लेगी।

भागीरथपुरा घटनाक्रम ने इंदौर में थामे प्रशासनिक काम

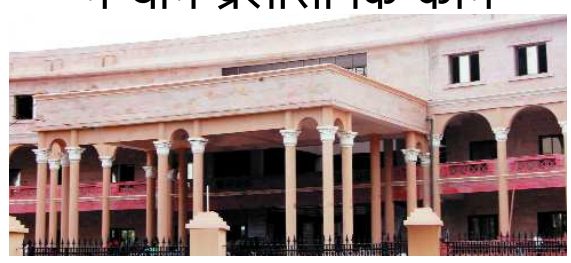

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दावे-आपत्तियों की सुनवाई और भागीरथपुरा क्षेत्र में हुए गंभीर घटनाक्रम के चलते प्रशासनिक अमला पूरी तरह व्यस्त हो गया है। इसका सीधा असर जिले में चल रहे राजस्व अभियानों और औद्योगिक क्षेत्रों में प्रस्तावित सेफ्टी आडिट व निरीक्षण कार्यों पर पड़ा है। हालात ये हैं कि कई जरूरी प्रशासनिक गतिविधियां भी ठप पड़ी हुई हैं।

राजस्व विभाग द्वारा नियमित रूप से संचालित सीमांकन, बटांकन, बंटवारा और नामांतरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। तहसीलदार और नायब तहसीलदार स्तर के अधिकारी एसआईआर के तहत मतदाता सूची से जुड़े दावे-आपत्तियों की सुनवाई में लगाए गए हैं, जिससे आम नागरिकों के राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय पर नहीं हो पा रहा है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की जांच होना थी। प्रशासन ने औद्योगिक दुर्घटनाओं की रोकथाम और श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी औद्योगिक इकाइयों को 15 दिनों के भीतर अनिवार्य सेफ्टी आडिट कराने के निर्देश जारी किए थे।

मोदी और जर्मन चांसलर ने अहमदाबाद में पतंग उड़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी) ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज सोमवार सुबह अहमदाबाद में साबरमती आश्रम पहुंचे। दोनों नेताओं ने यहां महात्मा गांधी को नमन किया। गांधी की मूर्ति पर फूल चढ़ाए और तस्वीर पर सूत (धागा) भी चढ़ाया। महात्मा गांधी की अहिंसा की अवधारणा, स्वतंत्रता की शक्ति में उनका विश्वास और हरेक व्यक्ति की गरिमा में उनकी आस्था आज भी लोगों को प्रेरित करती है। साथ ही पीएम मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने साथ में पतंग भी उड़ाई।

मनमानी मामला नर्सिंग अधीक्षक, सहायक अधीक्षक और मेट्रन के पद हुई पदोन्नति सूची का

मेडिकल कॉलेज प्रशासन का कमाल, जो दुनिया में नहीं उसे कर दिया पदोन्नत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अधिनस्थ आने वाले अस्पतालों में पदस्थ नर्सिंग ऑफिसर्स को पदोन्नति देते हुए उन्हें नर्सिंग अधीक्षक, उप अधीक्षक, सहायक नर्सिंग अधीक्षक, मेट्रन के पद पर पदोन्नति दी गई है। इसकी सूची शुक्रवार को एमजीएम मेडिकल कॉलेज से डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया के हस्ताक्षर के साथ जारी की गई है। इस सूची में कॉलेज प्रशासन ने ऐसे कमाल किया है कि जो इस दुनिया में ही नहीं है, उन्हें मेट्रन का पद पर पदोन्नति दे दी। इतना ही दो अन्य नर्सिंग ऑफिसर जो अस्पताल में ही नहीं हैं, उन्हें भी मेट्रन के पद पर पदोन्नति दे दी गई। वहीं तीन ऐसी नर्सिंग ऑफिसर को सहायक नर्सिंग अधीक्षक बनाया गया, जिन्हें अस्पताल में कोई जानता ही नहीं है कि वो हैं कि भी नहीं।

कई वर्ष पूर्व हो चुका है निधन: एमजीएम मेडिकल कॉलेज से शुक्रवार को चार पदों की पदोन्नति सूची जारी की गई। इसमें मेट्रन की जो सूची जारी की गई है। इसमें नर्सिंग ऑफिसर लीला मणि का नाम सबसे पहले रखा गया है। इन्हें एमवायएच में पदस्थ बताया और यहां से उन्हें शा. कैंसर अस्पताल में मेट्रन बनाया है। यह नाम देखकर पूरा स्टाफ हैरान है, क्योंकि जो लीला मणि नर्सिंग स्टाफ थी, उनकी तो काफी पहले ही मौत हो चुकी है। वहीं दूसरा कोई इस नाम का अस्पताल में नहीं है। इसी प्रकार वर्षा निगम को एमवायएच में पदस्थ होना बताते हुए एमआरटीबी में मेट्रन बनाया है, यह भी एमवायएच में पदस्थ नहीं है और काफी समय पूर्व नौकरी छोड़कर जा चुकी हैं। इसी प्रकार कल्पना नाशिरकर, भी एमवायएच में पदस्थ नहीं हैं, इन्हें एमआरटीबी अस्पताल का मेट्रन बनाया है। बड़ा सवाल यह है कि जब तीनों एमवायएच में पदस्थ ही नहीं है, तो इन्हें कैसे मेट्रन बना दिया गया। इसी प्रकार बिटि इब्राहिम को चाचा नेहरू अस्पताल में पदस्थ होना बताया गया और उन्हें सहायक नर्सिंग अधीक्षक बनाकर एमआरटीबी भेजा गया, वो चाचा नेहरू अस्पताल में हैं ही नहीं।

सीनियर्स को रख दिया दरकिनार : वहीं एमवायएच में पदस्थ कई सीनियर नर्सिंग ऑफिसर को पदोन्नति नहीं दी गई है। इसको लेकर इनमें रोष है। विरोध जताने डीन कार्यालय भी गई थी, लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई। इनका कहना है कि इसी तरह आंख में पट्टी बांधकर सूची जारी की जाएगी, तो अस्पतालों में चूहा कांड और एक्सपायरी दवा जैसे कांड होने से कौन रोक सकता है। वहीं इस मामले में डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया से लगतार चर्चा करने की कोशिश की, लेकिन वो उपलब्ध नहीं हो सके।

चूहा कांड को भूल गया कॉलेज प्रशासन

इसी प्रकार जो सूची जारी की गई है। इसमें नर्सिंग ऑफिसर प्रेमलता राठौर को प्रमोशन देते हुए सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मेट्रन बनाया गया है। जबकि चूहा कांड, जिसमें दो मासूम को चूहों ने कुतर कर मार दिया, तो उस मामले में इन्हें एमवायएच से मानसिक अस्पताल अस्पताल स्थानांतरित किया गया था, लेकिन सूची में इन्हें एमवायएच में ही पदस्थ होना बताया गया है। वहीं एक्सपायरी दवा मामले में एंजिलिना विलफ्रेड को नोटिस जारी किया गया था, उन्हें भी उपकृत करते हुए सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का नर्सिंग अधीक्षक बना दिया गया है। मतलब कॉलेज प्रशासन चूहा कांड और एक्सपायरी दवा को भूल गया।

न्यूज ब्रीफ

जगद्गुरु स्वामी रामानंदाचार्य की 726 वीं जयंती मनाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एयरपोर्ट रोड स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर जगद्गुरु स्वामी रामानंदाचार्य की 726 वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि समर्पित करते महामंडलेश्वर श्रीमहंत स्वामी रामचरणदास महाराज एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज।

राज्य ओपन स्कूल शिक्षा बोर्ड के नाम पर साइबर ठगी से रहे सावधान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश में राज्य ओपन स्कूल शिक्षा बोर्ड के परीक्षार्थियों के अभिभावकों से साइबर ठगों द्वारा ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। ठगों द्वारा स्वयं को बोर्ड से संबंधित बताकर परीक्षार्थियों को पास कराने के नाम पर धनराशि मांगी जा रही है। धोखाधड़ी की जा रही है। इधर, मामला सामने आने के बाद राज्य ओपन स्कूल शिक्षा बोर्ड ने विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए 0755-2671066 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि जिन नामों से फोन कॉल किए जा रहे हैं, उस नाम का कोई भी व्यक्ति राज्य ओपन स्कूल शिक्षा बोर्ड में कार्यरत नहीं है। इस प्रकार से किसी को पास कराना पूर्णत: असंभव है। परीक्षार्थियों का परिणाम केवल उत्तर पुस्तिकाओं में लिखे गए उत्तरों के मूल्यांकन के आधार पर ही घोषित किया जाता है।

दो वर्षों में 44 हजार से अधिक उद्यमों का पंजीयन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया गया। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2025 को मनाये गए उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में इंदौर जिले में उद्योग स्थापना एवं रोजगार सृजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र इंदौर द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से हजारों उद्यमियों को लाभान्वित किया गया है। इंदौर जिले में पिछले तीन वर्षों में 15 नए इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित हुए हैं। इनमें 700 नये उद्योग स्थापित हो रहे हैं, जिससे कि लगभग 20 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। विगत दो वर्षों में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास ने अभूतपूर्व गति पकड़ी है। नीतियों में किए गए सकारात्मक बदलावों के कारण प्रदेश में नए उद्योगों का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।

हाईकोर्ट की फटकार से पहले जागा इंदौर नगर निगम

सड़क पर किया गया अतिक्रमण खुद हटाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●हाई कोर्ट में जनहित याचिका की सुनवाई से पहले ही इंदौर नगर निगम हरकत में आ गया। वर्षों से सड़क और ब्रिज के नीचे जमा जब्त सामग्री हटाकर निगम ने खुद के अतिक्रमण पर कार्रवाई शुरू की।

इंदौर नगर निगम वर्षों से सड़क और ब्रिज के नीचे अवैध गोदाम बनाकर जब्त सामान रख रहा था। जनहित याचिका दायर होते ही हाई कोर्ट ने नोटिस जारी किया और सुनवाई से पहले ही निगम को अपना अतिक्रमण हटाना पड़ा। शहर में अतिक्रमण हटाने के नाम पर रोज़ कार्रवाई करने वाला इंदौर नगर निगम अब खुद कटघरे में खड़ा है। आरोप है कि जिन नियमों का हवाला देकर निगम ठेले-गुमटी और फुटपाथ पर बैठे छोटे दुकानदारों का सामान जब्त करता है, उन्हीं नियमों का उल्लंघन वह खुद लंबे समय से कर रहा था। मामला तब उजागर हुआ, जब यह मुद्दा जनहित याचिका के जरिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट तक पहुंचा। इंदौर निवासी पुनीत शर्मा ने एडवोकेट अनिल ओझा के माध्यम से हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की। याचिका में कहा गया कि नगर निगम अतिक्रमणरोधी कार्रवाई के दौरान जब्त की गई सामग्री को तय स्थान पर रखने के बजाय सड़क और सार्वजनिक जगहों पर ही रख देता है। इससे आम लोगों के आने-जाने वाले रास्ते प्रभावित होते हैं। याचिका के अनुसार, शास्त्री ब्रिज से राजकुमार ब्रिज तक सड़क और ब्रिज के नीचे के हिस्से में जब्त सामग्री जमा की जाती रही। आरोप है कि इस सार्वजनिक स्थान को निगम ने अघोषित गोदाम की तरह इस्तेमाल किया, जबकि यही इलाका रोज़मर्रा की आवाजाही के लिए इस्तेमाल होता है। पथर गोदाम रोड को लेकर भी याचिका में सवाल उठाए गए। आरोप है कि यहां वर्षों से जब्त सामग्री पड़ी रहती थी और सड़क का हिस्सा घिरा हुआ था। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे कई बार ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती थी। पैदल चलने वालों को सड़क पर उतरकर चलना पड़ता था और रात के समय दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता था। हालांकि, यह बातें स्थानीय नागरिकों के दावे के तौर पर सामने आई हैं।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पुत्र आकाश का ट्वीट-सेवा का मतलब ये नहीं की दोषी है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पुत्र और पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय के एक ट्वीट एक्स ने एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। इस बयान के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। इसे उनकी विरोधियों को चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही इस पूरी घटना में जिस तरह से पार्टी के कई नेताओं ने पल्ला झाड़ा वह भी कहीं ना कहीं उनके जेहन में है।

आकाश विजयवर्गीय ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर संदेश लिखा। इसमें कहा कि- एक बात साफ करना चाहता हूं. मैदान में खड़े हैं, सेवा में लगे हैं, मतलब ये कतई नहीं की दोषी है। बुरे वक्त में साथ देने की पुरानी आदत है। एक बार स्थिति सामान्य हो जाएं, फिर इस पर विस्तार में चर्चा करेंगे। इस संदेश के साथ ही उन्होंने ट्वीट में पिता मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की और अपनी फोटो भी लगाई है। साथ ही प्रभु शिव की फोटो भी लगी है। इस संदेश में आकाश ने पहली बात को साफ की है कि इस घटना का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि इस घटना के लिए उनके पिता मंत्री कैलाश विजयवर्गीय किसी तरह के दोषी है। वो केवल इसलिए मैदान में उतरे हुए हैं क्योंकि वह बुरे वक्त में हमेशा लोगों के साथ खड़े होते हैं। यह भी उन्होंने विरोधियों को चेतावनी दे दी है कि एक बार स्थिति साफ हो जाए तो फिर इस पर वह विस्तार से चर्चा करेंगे यानी कि जवाब देंगे। इस मसले पर मंत्री विजयवर्गीय पहले ही कह चुके हैं कि घटना के लिए अधिकारी दोषी है और उन पर कार्रवाई की गई है।

इस घटना के सामने आने के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय लगातार मैदान में डटे रहे। इसी दौरान उनके बयान के चलते विवाद हुआ और वह दिल्ली भी उच्च स्तर पर मिलने गए इसके बाद उन्होंने मीडिया में बयान देना बंद कर दिया। फिर वह 8 जनवरी को भोपाल भी गए और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा से लंबी बात की।

क्रीडाभारती द्वारा सामूहिक व एकल सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्रीडा भारती द्वारा सामूहिक व एकल सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का आयोजन क्रीडा भारती खेल परिसर रामबाग मे किया गया। विभिन्न आयू वर्गो मे 280 प्रतिभागियो ने सहभागिता की। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर देअविवि के पूर्व खेल निदेशक डॉ सुनील दुधाले,क्रीडा भारती महानगर अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह गौड, मालवांचल योगासन स्पोर्ट्स संघ के अध्यक्ष श्री दक्षदेव सिंह गौड व मालवा प्रांत महामंत्री हरीश डागुर जी के मुख्य आतिथ्य मे कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता परिणाम (एकल)

6 to 12 बालक आयु वर्ग-1. प्रथम: समर्थ यादव, 2. द्वितीय: रिद्धांश सौलानी, 3. तृतीय: गोरक्ष पुरोहित

बालिका -1. प्रथम: नव्या, 2. द्वितीय: मीहरा वशिष्ठ, 3. तृतीय: वरनिका दवे

12 ह्रश 18 बालक आयु वर्ग-1. प्रथम: अक्षद सेन, 2. द्वितीय: समर्थ श्रीवास्तव, 3. तृतीय: श्रेयांस डोलिया

बालिका-1. प्रथम: मानसवी अचन्या, 2. द्वितीय: पलक चुघवानी, 3. तृतीय: अंजलि साईं

12 से 40 बालक आयु वर्ग- 1. प्रथम: भारत देवड़ा, 2. द्वितीय: अंशुल, 3. तृतीय: धर्मेंद्र सोनी

बालिका-1. प्रथम: अदिति हरडिया, 2. द्वितीय: दिव्या वर्मा, 3. तृतीय: अनुराधा, 40 आयु वर्ग पुरुष 1. प्रथम: दीपक अग्रवाल, 2. द्वितीय: अशोक यादव, 3. तृतीय: आदित्य राणा

महिला-1. प्रथम: शिव कुमारी चौहान, 2. द्वितीय: किरण परिहार, 3. तृतीय: सोना कुकरेजा पर रहे।

दो साल पहले बेटा खोया, अब पिता की चाइनीज मांझे से मौत, दो गंभीर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के कनाड़िया और तिलक नगर क्षेत्र के मध्य रविवार शाम एक हृदय विदारक दुर्घटना घटित हुई। शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के उपयोग ने एक और हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया है। अपनी बाइक से घर लौट रहे एक युवक का गला पतंग की घातक डोर की चपेट में आने से कट गया, जिससे अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

मृतक की पहचान बिचौली मर्दाना स्थित ओम साई विहार कॉलोनी निवासी रघुवीर धाकड़ के रूप में हुई है। रघुवीर पेशे से टाइल्स फिटिंग के काम की ठेकेदारी करते थे। रविवार का दिन अवकाश का होने के बावजूद वे एक नई साइट का मुआयना करने के लिए अपनी मोटरसाइकिल से निकले थे। शाम करीब साढ़े पांच बजे जब वे शकुंतला अस्पताल के समीप से गुजर रहे थे, तभी अचानक उनके गले में चाइनीज मांझा फंस गया।

गला कटते ही रघुवीर लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। वहां मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए उनके पास मौजूद मोबाइल फोन के जरिए उनके परिवार को इस गंभीर हादसे की जानकारी दी। आनन-फानन में उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, परंतु घाव इतना गहरा था कि डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। तिलक नगर थाना प्रभारी मनीष लोधा के अनुसार पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर आगे की वैधानिक जांच शुरू कर दी है। रघुवीर के परिवार के लिए यह वज्रपात के समान है। बताया जा रहा है कि उनके दो बेटे थे, जिनमें से एक बेटा साहिल अभी पढ़ाई कर रहा है। वहीं, परिवार ने महज दो साल पहले ही अपने दूसरे बेटे को खोया था, जिसकी मृत्यु पानी में डूबने के कारण हुई थी। अब घर के मुखिया की इस तरह अचानक हुई मौत से पूरे मोहल्ले में शोक की लहर है।

इंदौर में ही नीट की तैयारी कर रहे नरेंद्र जामोद का चाइनीज मांझे से गला कट गया। सपना-संगीता रोड पर करीब साढ़े 5 बजे वह अपने दोस्त अनिल चौहान के साथ बाइक से घर की ओर आ रहा था। अनिल उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। मूल रूप से धार जिले के देहरी के पास का रहने वाला नरेंद्र इंदौर में रहकर एग्जाम की तैयारी कर रहा है। तीसरी घटना एरोड्रम थाना इलाके में एयरपोर्ट के सामने की है।

प्रदेश में नगरीय निकायों द्वारा बेहतर सुरक्षित एवं निर्बाध जल आपूर्ति की प्रभावी कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश के नगरीय निकायों द्वारा नागरिकों को बेहतर, सुरक्षित एवं निर्बाध जल एवं सीवर सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी जल अथवा सीवर संबंधी समस्या की सूचना निर्धारित माध्यमों से अवश्य दें, जिससे समय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि रविवार 11 जनवरी तक कुल 1176 जल रिसाव की मरम्मत की गई है तथा अब तक 7619 जल नमूनों की जांच पूर्ण की जा चुकी है। जल नमूना संग्रहण कार्य में 744 सफाई मित्र/अमृत मित्र सक्रिय रूप से कार्यरत हैं और जल परीक्षण के लिये अब तक 704 व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

मध्यप्रदेश स्टार्ट अप समिट 2026 पहला दिन

इन्क्यूबेशन इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने, कृषि-नवाचार को बढ़ावा देने और स्टार्टअप्स की निवेश-तैयारी पर केंद्रित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एमएसएमई विभाग द्वारा प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत रविवार को मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट 2026 के पहले दिन का फोकस इन्क्यूबेशन इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने, कृषि-नवाचार को बढ़ावा देने तथा स्टार्टअप्स की निवेश-तैयारी को सशक्त करने पर रहा। समिट में देशभर से स्टार्टअप्स, इन्क्यूबेटर्स, निवेशक एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े 500 से अधिक हितधारक द्वारा सहभागिता की गई।

समिट के पहले सत्र के रूप में 'इन्क्यूबेटर सस्टेनेबिलिटी' विषय पर एक विशेष इन्क्यूबेटर मास्टर क्लास आयोजित की गई, जिसमें वैकुंठ प्रसाद एवीपी, आईआईएम बैंगलोर, प्रसाद मेनन, अध्यक्ष, इंडियन स्टार्टअप एंड इन्क्यूबेटर एसोसिएशन, प्रशांत सलवान प्रोफेसर रणनीति एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार, आईआईएम इंदौर तथा शगुन वाघ, सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक ने आइडियाबैज़, इन्क्यूबेशन मॉडल, उद्योग सहभागिता, फंडिंग एवं दीर्घकालिक स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए गए। समिट में 'एग्री एफपीओ को स्टार्टअप के रूप में विकसित करना - वैल्यू चेन ट्रांसफॉर्मेशन' विषय पर एक पैनल चर्चा हुई।

श्री भारतवर्षीय खंडेलवाल दिगंबर जैन महासभा का परिचय सम्मेलन नरसिंह वाटिका एरोड्रम रोड पर हजारों लोगों के बीच संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतवर्षीय खंडेलवाल महासभा द्वारा आयोजित परिचय सम्मेलन के भव्य शुभारंभ झंडा वंदन के साथ आरके जैन रानेका द्वारा किया गया धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि सभा मंडप का उद्घाटन श्रीमती चंदाबाई छाबड़ा एवं अतिथियों के द्वारा किया गया अध्यक्ष शेखर छाबड़ा एवं महामंत्री सनत गंगवाल ने बताया कि कार्यक्रम मैं दीप प्रज्वलन राष्ट्रीय महामंत्री गजेंद्र जी पाटनी एवं मध्य प्रदेश उपाध्यक्ष श्री निलेश जी छाबड़ा सीनियर हाई कोर्ट एडवोकेट ए.के सेठी साहब ने किया। मंगलाचरण नृत्य के द्वारा प्रसिद्ध नृत्यांगना कुमारी चांदनी द्वारा की दिया गया।

फोनपे के 10 साल : भारत को सशक्त बनाने के एक दशक का जश्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फोनपे ने हाल ही में इनोवेशन और भरोसे का एक शानदार दशक पूरा किया। भारत के फिनटेक इकोसिस्टम में 10 साल का यह सफर सिर्फ एक मील का पत्थर नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का उत्सव है। इस दशक में फोनपे ने न केवल वित्तीय पहुँच को बढ़ाया है, बल्कि भारत में लेन-देन और पैसों को मैनेज करने के तरीके को भी बदला है।

निपानिया में भव्य हिंदू सम्मेलन सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● निपानिया क्षेत्र में आयोजित भव्य हिंदू सम्मेलन रविवार को गरिमामय एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर निपानिया की विभिन्न बस्तियों एवं सभी सोसायटियों के हिंदू परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जिससे पूरे क्षेत्र में उल्लास, सौहार्द और सकारात्मक वातावरण बना रहा। हिंदू सम्मेलन के अंतर्गत प्रभु श्रीराम के जीवन पर आधारित रामलीला की भव्य प्रस्तुति दी गई, जिसे दर्शकों ने भावपूर्ण सराहना के साथ देखा। सम्मेलन का उद्देश्य सनातन संस्कृति, सनातन धर्म के मूल्यों के संरक्षण तथा हिंदू समाज की एकता को सुदृढ़ करना रहा।

युवा दिवस पर 12 जनवरी से प्रदेश में शुरू होगा 'संकल्प से समाधान' अभियान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सुशासन और स्वराज के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति के लिये केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र लोगों को दिलाने के लिये प्रदेश में 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक 'संकल्प से समाधान' अभियान चलाया जाएगा। स्वामी विवेकानंद की जयंती 'युवा दिवस' पर शुरू होने वाले इस अभियान में ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय एवं जिला स्तर पर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिये अभियान 4 चरणों में चलाया जायेगा। अभियान में ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों में वार्ड स्तरीय समिति और आवेदन/शिकायतों के एकत्रीकरण के लिए दल गठित होगा, जिसका एक नोडल अधिकारी होगा। सम्पूर्ण कार्यवाही सी.एम. हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से संपादित की जायेगी। पोर्टल में एक प्रथम माड्यूल तैयार कर अधिकारियों एवं नागरिकों के लिए लॉगिन क्रिएट करने की सुविधा दी जाएगी।

रालामंडल हादसे के पहले कनाड़िया में हो रही थी कारों के बीच रेस

तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ाना बनता जा रहा है फैशन, भीषण हादसे की फोरेंसिक जांच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ाना तो फैशन बन गया है। राला मंडल के पास हुए भीषण हादसे के चंद घंटों पहले कनाड़िया में भी अंधेरे में कार रेस के दौरान दो कारों के बीच टक्कर हो गई। कार सवार कई घायल हो गए। पुलिस ने 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दूसरी ओर राला मंडल के पास हुए सड़क हादसे को लेकर पुलिस ने फोरेंसिक जांच भी शुरु कर दी है। ट्रैफिक पुलिस छोटे-बड़े सभी वाहन चालकों से अपील करती है कि वे तेज गति से गाड़ी न चलाएं, शराब पीकर गाड़ी न चलाएं, मोबाइल पर बात करते गाड़ी न चलाएं, ट्रैफिक नियमों का पालन करें इसके बाद भी कई वाहन चालक तेज रफ्तार से गाड़ी चलाते हुए मिलते हैं। राला मंडल के पास तेज गति कार हाइवा ट्रक में घुस गई और पूर्व गृहमंत्री की बेटी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। इस मामले की फोरेंसिक जांच भी शुरु हो गई है।

राला मंडल के पास बायपास पर हुए भीषण सड़क हादसे में पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी सहित तीन लोगों की मौत को लेकर फोरेंसिक एक्सपर्ट ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। मामला कार चालक के ड्रिंक एंड ड्राइव के साथ रोड पर खड़े डंपर व ट्रक चालकों की लापरवाही का है। पुलिस प्रखर के जन्मदिन की पार्टी में शामिल युवक युवतियों के भी बयान दर्ज करेगी। उल्लेखनीय है कि रालामंडल के समीप बायपास पर शुक्रवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में पूर्व गृह मंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा बच्चन, कांग्रेस प्रवक्ता आनंद कासलीवाल के बेटे प्रखर कासलीवाल और साथी मानसंधु की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि अनुष्का राठी गंभीर रूप से घायल होकर निजी अस्पताल में भर्ती है। थाना प्रभारी देवेंद्र मरकाम ने बताया कि डंपर और ट्रक चालकों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ट्रक ने बाइक सवार युवक-युवती को मारी टक्कर, युवक की मौत-

लसुड़िया में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई जबकि उसके साथ बाइक पर सवार युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा एबी रोड पर इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने हुआ जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक की अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान हिमाशु पिता धर्मेंद्र यादव सिंगापुर टाउनशिप के रूप में हुई है। हिमांशु अपनी सहकर्मी श्रेया अवस्थी के साथ बाइक से जा रहा था। दोनों एक ही जगह पर नौकरी करते थे और काम के सिलसिले में एबी रोड से गुजर रहे थे। जैसे ही वे इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने पहुँचे पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक आरजे 09 जीडी 6178 के चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि हिमांशु बाइक से उछलकर ट्रक की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं श्रेया अवस्थी सड़क पर गिरने से गभीर रूप से घायल हो गई। घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से श्रेया को निजी अस्पताल पहुँचाया जहाँ उसका उपचार जारी है। लसुड़िया पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

नशे में दो कारों के बीच हो रही थी रेस, 7 पर दर्ज हुआ केस

इस हादसे के चंद घंटों पहले कनाड़िया में नशे में दो कार सवार रात के अंधेरे में कार रेस लगा रहे थे। कार में बैठे युवक ड्राइवर को कार तेज चलाने के लिए उकसा रहे थे। इस कार रेस के चक्कर में दोनों कार की टक्कर हो गई और कई लोग घायल हो गए। कनाड़िया पुलिस ने दोनों कार में सवार 7 लोगों के खिलाफ बेकायदा वाहन चलाने का केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गुरुवार रात करीब 1.00 बजे महाराष्ट्र बैंक कनाडिया रोड के सामने कट के पास दो वाहनों की दुर्घटना की सूचना मिली, तत्काल थाना प्रभारी कनाडिया व स्टाफस्पाट पर पहुंचे घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। थाने पर पदस्थ प्रधान आरक्षक ने बताया गया कि जब वह अपने घर जा रहे थे तभी देखा दो कार चालक बंगाली साइड से तेज गति व लापरवाहीपूर्वक कार को लहरा लहरा कर चला रहे थे। कार के अंदर से जोर जोर से चिल्लाने की आवाज कर चालक को कार और तेज चलने के लिए उकसा रहे थे। तेज गति व शराब पीकर लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वाले कार चालको व सवार व्यक्तियों राजमाने, गंगानगर देवास, पलकेश कनाडिया, इमरान, कनाडिया, अर्पित जैन, गोयल नगर, हर्षित पावा, शिव मोती नगर, मेहुल नुवाल, खंडवा रोड व संजय जैन कनाडिया के विरुद्ध धारा 49, 281,125 (ए) बी एन एस व 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 12 जनवरी 2026

प्रदेश में लाड़ली बहनों को सरकार ने दिए 50 हजार करोड़ रुपए - सीएम

भोपाल (एजेंसी) • मप्र की वर्तमान भाजपा सरकार लाड़ली बहना योजना की देन है। दो साल पहले विधानसभा चुनाव के पहले लागू की गई इस योजना के कारण पार्टी को महिलाओं के थोकबंद वोट मिले थे। यही वजह है कि राज्य सरकार लाड़ली बहनों को लगातार सौगातें देती जा रही है। योजना की राशि बढ़ाने के संबंध में सीएम मोहन यादव ने एक बार फिर अहम घोषणा की है। उन्होंने बताया कि लाड़ली बहनों को सरकार ने अभी तक 50 हजार करोड़ रुपए दिए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह भी कहा कि योजना की राशि लगातार बढ़ती जाएगी। उन्होंने महिलाओं के लिए चलाई जा रही अन्य योजनाओं का भी जिक्र किया।

सीएम मोहन यादवको सीधी जिले की सिंहावल विधानसभा के तहसील मुख्यालय बहरी पहुंचे थे। उन्होंने यहां सीधी जिले के लिए 201 करोड़ 64 लाख रुपए की लागत वाले कुल 209 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। 11 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत से एक बगिया मां के नाम के अंतर्गत 505 कार्यों का भी शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में सीएम ने बहरी में नया कॉलेज खोलने की घोषणा की। यह कॉलेज अगले सत्र से ही प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने बहरी से चुरहट तक 129 करोड़ की लागत से 64.54 किमी लंबी टू-लेन रोड बनाने की भी घोषणा की। उन्होंने सिंहावल और देवसर के महाविद्यालयों में विज्ञान और वाणिज्य संकाय की कक्षाएं प्रारंभ करने, देवसर में एडिशनल कलेक्टर कोर्ट को फुल टाइम संचालित किए जाने, गोपद नदी पर 500 मीटर लंबा नया पुल तथा महान नदी पर रपटा बनवाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में खासतौर पर लाड़ली बहना योजना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा- हमारी लाड़ली बहनों को हर महीने दी जा रही सहायता राशि लगातार बढ़ती जाएगी। अभी हर महीने 1500 रुपए दिए जा रहे हैं। इससे बहनें उद्यमी और आत्मनिर्भर बन रही हैं।

लाड़ली बहनों को सरकार ने 50 हजार करोड़ रुपए दिए

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना के पैसों से बहनें घर का खर्च चलाने के साथ बच्चों की ट्यूशन फीस भी भर रही हैं। उन्होंने बताया कि लाड़ली बहनों को सरकार ने अब तक करीब 50 हजार करोड़ रुपए दिए हैं। मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों को अन्य सौगातों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि रोजगार आधारित उद्योगों में काम करने पर महिलाओं को 5000 रुपए महीने का अतिरिक्त लाभ भी दिया जाएगा।

न्यायाधीश पहुंचे नशा मुक्ति के लिए छोटे बच्चों के बीच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय सांवेर में श्रीमती प्रियंका रतोनिया सिंह प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड सांवेर जिला इंदौर द्वारा विद्यालय में नशा मुक्ति समाज एवं विधिक सेवा समिति के बारे में बच्चों को बताया गया एवं बच्चों द्वारा मैडम को बताया गया कि हम भी आपके जैसे बड़े होकर बनना चाहते हैं विद्यालय के प्राचार्य राजेश बाजपेई द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया एवं वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती फरजाना खान द्वारा का पुष्प हार से स्वागत किया गया एवं जानपाल चौहान द्वारा एडवोकेट जितेंद्र सिंह गोयल का पुष्माला से स्वागत किया गया आभार भेरूलाल लोबानिया द्वारा माना गया विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिका है इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

आर्या अम्बेकर के कंठ से गूंजी कृष्ण लीला से जुड़ी भक्ति रस की प्रस्तुतियां

इंदौर • ऑल इंडिया मूवमेंट फॉर सेवा के तत्वावधान में रेसकोर्स रोड स्थित अभय प्रशाल के लाभ मंडपम में रविवार की शाम भक्ति संगीत और भगवान कृष्ण की लीलाओं पर आधारित संगीतमय कार्यक्रम 'कृष्णम वन्दे' के नाम रही, जिसमें कोई ढाई घंटे तक शहर के सुधी श्रोताओं ने देश की प्रख्यात गायिका एवं अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से अलंकृत सुश्री आर्या अम्बेकर की मधुर वाणी का पूरे परिवार सहित आकर आनंद लिया।

25 दिसंबर से 5 जनवरी के बीच 29 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन किए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर मंदिर में साल के अंत के दौरान 12 दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई, 25 दिसंबर से 5 जनवरी के बीच 29 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन करने आए। मंदिर प्रबंधन समिति ने शीतकालीन अवकाश के लिए पहले से ही व्यवस्थाओं को मजबूत कर दिया था, जिससे आगंतुकों के लिए दर्शन प्रणाली अधिक सुविधाजनक हो गई। प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार 'वर्ष के अंतिम दिन और नव वर्ष के पहले दिन आने वाले 10 लाख श्रद्धालुओं के हमारे अनुमान सटीक साबित हुए। नव वर्ष के पहले दिन सबसे अधिक श्रद्धालु आए, जिनकी संख्या 6.12 लाख से अधिक थी। इसके विपरीत, वर्ष के अंतिम दिन सबसे कम 1.53 लाख श्रद्धालु ही दर्शन के लिए पहुंचे। इस दौरान मंदिर समिति ने भक्तों को लगभग 4 करोड़ रुपये का लड्डू प्रसाद वितरित किया। कुल 643.409 क्विंटल लड्डू बांटे गए, जिनमें 2.73 करोड़ रुपये मूल्य के 573.118 क्विंटल बेसन के लड्डू और 32.50 लाख रुपये मूल्य के 70.291 क्विंटल रागी के लड्डू शामिल थे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्राप्र्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

हिंदू और संतान संस्कृति एक दूसरे के पर्याय एवं पूरक : पं. पांडे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सनातन संस्कृति संस्कारों पर ही आधारित है। हिंदू और सनातन संस्कृति एक दूसरे के पर्याय एवं पूरक हैं। संस्कारों के अभाव में ही मनुष्य पशुवत माना जाता है। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें हिंदुस्तान जैसे देश में मनुष्य के रूप में जन्म मिला और हम अपनी जीवन पद्धति को संस्कारों से बांधे रखे हुए हैं। यही हमारे परिवारों की सबसे बड़ी विशेषता है। सौलह संस्कार हमारी सनातन और हिंदू संस्कृति की बुनियाद हैं। यज्ञ हमारी सनातन संस्कृति को मजबूत बनाने वाला सबसे पौराणिक अनुष्ठान है। ये दिव्य विचार हैं काशी के यज्ञाचार्य पं. पुष्कर पांडे के, जो उन्होंने बंगाली चौराहा स्थित मैदान पर चल रहे विराट लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में उपस्थित यजमानों एवं शर्द्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

भोपाल की ताल के चौपाल से

हनीट्रैप वाले साहब हुए एक्टिव, मामा का डिनर कैंसिल

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश की राजनीति में इस हफ्ते के ताजा घटनाक्रमों में हनीट्रैप वाले साहब की सक्रियता, मामा का डिनर कैंसिल होने जैसी खबरें सामने आई हैं। पढ़ें बोल हरि बोल में क्या यह सियासत की नयी चाल है या सिर्फ अफसरशाही का खेल, किसी हफ्ते मध्यप्रदेश की राजनीति और नौकरशाही से हैरान करने वाली खबरें न निकलें, तो मान लीजिए कि सब चंगा चल रहा है... लेकिन ऐसा हो कैसे सकता है। इस हफ्ते भी कई चौंकाने वाली खबरें सामने आई हैं। मामा को अपना डिनर कैंसिल करना पड़ा। ठाकुर साहब का शक्ति प्रदर्शन भी कम चर्चा में नहीं है। इधर, खबर है कि हनीट्रैप वाले साहब फिर से एक्टिव हो गए हैं। उनका शागिर्द उन्हें नई-नई महिला मित्रों से मिलवा रहा है। खैर, देश, प्रदेश में खबरें तो और भी बहुत हैं। आप तो सीधे नीचे उतर आईए और हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम बोल हरि बोल के रोचक किस्सों का आनंद लीजिए।

ये भी गजब हुआ

सत्तारूढ़ दल में हाशिए पर चल रहे ठाकुर साहब ने आखिर डॉक्टर साहब के सम्मान में शक्ति प्रदर्शन कर ही दिया। इस मेगा इवेंट में कई दिलचस्प नजारे भी सामने आए। आयोजनकर्ता भले ठाकुर साहब रहे, लेकिन उन्हें न चाहते हुए भी अपने सियासी प्रतिद्वंद्वियों को भी मंच पर जगह देनी पड़ी। यहीं सबने अपने नंबर बढ़ाने की कोशिश की। ठाकुर साहब जब भाषण दे रहे थे, तब उनके सबसे पुराने सियासी दुश्मन माने जाने वाले 'महाराज' सीएम से बात कर रहे थे। यह बात ठाकुर साहब को नागवार गुजरी। उन्होंने भाषण के बीच ही कह दिया कि मेरा सबसे कहना है, जब मैं बोल रहा हूं। उसके बाद सब बात करते रहें। बोलने के बाद सब मिल लें। बोलने के बाद फिर मुख्यमंत्री रहेंगे। थोड़ी दिक्कत होती है बोलने में। इस बयान को ठाकुर साहब के गुस्से के रूप में देखा जा रहा है। यहीं दूसरा वाकया भी हुआ। इसी अंचल के माननीय ने तो ठाकुर साहब से अपने ही अंदाज में माइक तक ले लिया और अपना भाषण शुरू कर दिया। आपको बता दें कि माननीय और ठाकुर साहब की हाल ही में सियासी सुलह कराने की कोशिश की गई है।

हनी ट्रैप वाले साहब फिर सक्रिय

हनी ट्रैप वाले साहब इन दिनों फिर सक्रिय हो गए हैं। साहब एक महत्वपूर्ण विभाग की कमान संभाल रहे हैं। साहब का महिला प्रेम है कि कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। हनी ट्रैप में नाम आने और एक ऑडियो वायरल होने के बाद साहब ने गुमनामी का कोना पकड़ लिया था। उसके बाद वे कभी स्टडी लीव पर तो कभी लूप लाइन में रहे। कुछ समय पहले ही मेन स्ट्रीम में आए हैं। अब बताते हैं कि उनका कंसल्टेंट ही उन्हें नई महिला मित्रों से मिलवाता रहता है। बदले में साहब ने कंसल्टेंट को छूट दे रखी है कि विभाग की बड़ी डील वो संभाले। कंसल्टेंट भी जमकर मलाई कूट रहा है और साहब के शराब, शवाब और कवाब के शौक भी पूरे करवा रहा है। वो भी बड़े साहब के नाक के नीचे, जो ईमानदारी का फतवा लेकर आए दिन एक—एक अफसर को स्कैन करवाते रहते हैं। अब तक इन साहब पर बड़े साहब की नजर नहीं पड़ी है। देखना है कि कब तक बड़े साहब के स्कैनर से दूर रहते हैं।

मामा की डिनर डिप्लोमेसी

राजनीतिक गलियारों में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने के लिए मामा कुछ न कुछ उठापटक करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने दिल्ली में डिनर प्लान किया था, जिसे डिनर पॉलिटिक्स कहा जा रहा था। इसके बाकायदा आमंत्रण पत्र भी बांटे गए, लेकिन अचानक डिनर कैंसिल किया गया। अंदरखानों का कहना है कि एक फोन कॉल के बाद मामा को अपना डिनर निरस्त करना पड़ा। बताते हैं कि मामा की डिनर पॉलिटिक्स में मध्यप्रदेश के नेता एकत्र होकर प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा करते, जिससे एक माहौल बनता। उससे सूबे के मुखिया के कामकाज को आंका जाता। यह न हो, इसके लिए डिनर को कैंसिल किया गया। अब यहीं से सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर वह कौन है, जिसके कहने पर मामा को अपना प्लान बदलना पड़ा।

सियासत में सब चलता है...

सियासत में मुलाकातें वैसे तो रोज होती हैं, लेकिन इस बार मामला कुछ ज़्यादा ही चटपटा हो गया। एक उत्साही कार्यकर्ता सीधे मंत्री तुलसी सिलावट से मिलने चला आया। उत्साह इतना था कि साथ में लिक्विड वाली हिम्मत भी ले आया। अब भाजपा का नारा है कि सबका साथ, सबका विकास। मंत्री जी भी नारे को दिल से मानते दिखे। कार्यकर्ता को देखते ही फरमान जारी हुआ कि इसका स्वागत होना चाहिए। जैसे ही युवक पास आया, मंत्री जी की नजरें ठहर गईं। कहते हैं, डॉक्टर आदमी हों तो बीमारी छुपती नहीं। मंत्री जी ने मुस्कराते हुए पूछ लिया कि कितनी पी तूने आज? फिर बोले पीकर तो आया है यह... चेहरा सब बता देता है। असली ट्विस्ट अभी बाकी था। मंत्री जी ने न डांटा, न भगाया। उल्टा युवक के गले में दुपट्टा डाला, फोटो खिंचवाई और फिर हल्के से धक्का देकर इशारा किया चलो, अब बहुत हो गया। अब सियासी गलियारों में चर्चा है कि मंत्री जी गजब के डॉक्टर निकले। बिना रिपोर्ट, बिना जांच सीधे चेहरे से मर्ज पकड़ लिया।

रील वाले मंत्री जी फिर फॉर्म में

सूबे के रील वाले मंत्री जी फिर चर्चाओं में हैं। वे पहले जमकर रील बनवाते थे और फिर अपने समर्थकों से वायरल करवाते थे। पिछले दिनों जब अति हो गई तो उन्हें समझाया गया था। वे अब फिर अपने रंग में लौटने लगे हैं। बीते दिनों मंत्री जी मंडी का दौरा करने गए तो वहां पॉवर की धौंस जमाई। कुछ किसानों ने जब उन्हें अव्यवस्थाओं के बारे में बताया तो नेताजी बोले- मैं मंत्री हूं। जो व्यापारी किसानों को परेशान करेगा, उसका धंधा बंद करा दूंगा। इसके बाद कुछ कारोबारी मंत्री जी से नाराज नजर आए। आपको बता दें कि पहले बार मंत्री बने ये नेताजी आए दिन कुछ न कुछ अतरंगी जरूर करते हैं। इनके या इनके अपनों की वजह से कई बार पार्टी भी असहज हो जाती है। इनकी ठसक का आलम यह है कि अपने क्षेत्रीय सांसद से भी इनकी पटरी नहीं बैठती है।

जयपुर से बुलवाई गई चुनरी और मथुरा के फूलों से सजा जीण माता का दरबार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एबी रोड, राजीव गांधी चौराहा स्थित द मीरा गार्डन पर रविवार को हजारों साधकों ने अपनी आराध्या जीण माता के मंगल पाठ का दिव्य आयोजन तो किया ही, समूचे परिसर और मां के दरबार को इतने चित्ताकर्षक और मनोहारी स्वरूप में श्रृंगारित किया कि दर्शन करने पहुंचे लोग जहां के तहां थम गए। हजारों मोबाइल कैमरों ने इस मनोहारी श्रृंगार के मनभावन दृश्यों को कैद किया। मातारानी के दरबार की दिव्यता और भव्यता में 108 मीटर चुनरी और 108 मीटर गजरे ने भी चार चांद लगा दिए। काशी की बेटी के नाम से प्रख्यात वाराणसी से आई मंगल पाठ वाचिका श्रीमती पायल अग्रवाल ने भी अपनी मधुर प्रस्तुतियों से करीब छह घंटे तक इस उत्सव में आए मालवांचल के हजारों भक्तों को सम्मोहित बनाए रखा। श्री जीण धाम ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस मंगल पाठ में इस बार भी अनेक विशेषताएं देखने को मिली। ट्रस्ट की ओर से मनीष बंसल एवं धर्मेश बबलू मित्तल ने प्रारंभ में सभी कलाकारों एवं मेहमानों की अगवानी की। कार्यक्रम स्थल पर मातारानी का श्रृंगार करने के लिए जहां मथुरा-वृंदावन के कलाकार वहां के पांच क्विंटल फूलों सहित पधारे, वहीं जयपुर से बुलवाई गई 108 मीटर लंबी चुनरी और जयपुर की ही सुहाग पिटारी तथा मथुरा से बुलवाए गए विभिन्न किस्म के फूलों से मातारानी का भव्य दरबार भी श्रृंगारित किया और मातारानी को पुष्प बंगले में विराजित भी किया।

'झंडा ऊँचा रहे हमारा' अभियान का शुभारंभ 15 से, रीगल चौराहे पर स्थापित होगी इंडिया गेट की प्रतिकृति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • गणतंत्र दिवस पर पिछले 23 वर्षों से लगातार 'झंडा ऊँचा रहे हमारा' अभियान की प्रवर्तक संस्था सेवा सुरभि के तत्वावधान में जिला प्रशासन, इंदौर पुलिस, नगर पालिक निगम और इंदौर विकास प्राधिकरण के साथ इस बार अभियान का शुभारम्भ गुरुवार 15 जनवरी को सुबह 10 बजे रीगल चौराहे पर इंडिया गेट की प्रतिकृति की स्थापना और दोपहर 3 बजे रेसकोर्स रोड स्थित बास्केटबाल काम्प्लेक्स पर इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन और गीता रामेश्वर ट्रस्ट की सहभागिता में देश के प्रख्यात सेलेब्रिटी लेखक और स्तंभकार चेतन भगत के व्याख्यान के साथ होगा। चेतन भगत एक नागरिक के रूप में 'मैं क्या कर सकता हूँ?' विषय पर शहर के 20 मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों को प्रेरक व्याख्यान देंगे। 'झंडा ऊँचे रहे' अभियान के अंतर्गत इस बार कुल 10 प्रमुख आयोजन होंगे।

इंडिया गेट पर प्रतिदिन सुबह 8 से 10 बजे तक स्कूली बच्चे आकर राष्ट्र भक्ति से प्रेरित विभिन्न प्रस्तुतियां देंगे। अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए सांसद शंकर लालवानी, सेवा सुरभि के संयोजक ओमप्रकाश नरेडा एवं सचिव कुमार सिद्धार्थ ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 16 जनवरी को एसजीएसआईटीएस के एनसीसी और एनएसएस के कैडेट्स के द्वारा कॉलेज प्रांगण से मार्चपास्ट कर इंडिया गेट पहुंचकर अनाम शहीदों को जैन इंजीनियर सोसाइटी के सहयोग से आदरांजलि प्रस्तुत करेंगे। 17 जनवरी को गाँधी हॉल से अल्पसंख्यक समुदाय के हजारों स्कूली बच्चों की रैली प्रारंभ होकर इंडिया गेट पहुंचेगी। 17 जनवरी को ही पुणे के कलाकारों द्वारा 'भारत हमको जान से प्यारा है' संगीत संध्या में रवीन्द्र नाट्यगृह में प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

सम्पादकीय

लापरवाही की 'ओवरलोडिंग' बन रही मुसीबत, कब तक खाई में गिरती रहेगी जिंदगी?

हिमाचल प्रदेश में अधिकतर सड़कें पहाड़ी इलाकों से गुजरती हैं, जो संकरी होने के साथ घुमावदार भी हैं। कई सड़कें तो ढलान वाली हैं। भौगोलिक स्थिति इसे तब और जटिल बना देती है, जब घनी धुंध, बारिश या सड़क पर बर्फ की परत जम जाती है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए कई तरह के उपाय लागू किए गए हैं, मगर जमीनी स्तर पर इनके प्रभावी नतीजे नजर नहीं आ रहे हैं। दुर्घटनाओं के आंकड़े कम होने की बजाय बढ़ते जा रहे हैं। पहाड़ी प्रदेशों में तो सड़क हादसों की भयावहता और भी ज्यादा होती है। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में गुरुवार को एक निजी बस के पांच सौ फुट गहरी खाई में गिर जाने से चौदह लोगों की मौत हो गई और बावन लोग जख्मी हो गए। हैरत की बात यह है कि इस बस में सिर्फ 39 यात्रियों को ही बिठाने की क्षमता थी। जाहिर है कि बस में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे। ऐसे में सवाल है कि क्या हर बार खराब मौसम और सड़कों की भौगोलिक स्थिति को हादसों के लिए जिम्मेदार बता कर आंखें मूंद लेना सही है? इस तरह के हादसों में होने वाली मौत के लिए किसकी जवाबदेही है? क्या सरकार और प्रशासन का दायित्व नहीं है कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश में अधिकतर सड़कें पहाड़ी इलाकों से गुजरती हैं, जो संकरी होने के साथ घुमावदार भी हैं। कई सड़कें तो ढलान वाली हैं। भौगोलिक स्थिति इसे तब और जटिल बना देती है, जब घनी धुंध, बारिश या सड़क पर बर्फ की परत जम जाती है। अगर वाहनों में क्षमता से अधिक यात्री सवार हों, तब भी उनके अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में हुए इस हादसे का कारण भी बस में क्षमता से अधिक यात्रियों का सवार होना बताया जा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि यात्री वाहनों के औचक निरीक्षण की व्यवस्था को कड़ाई से लागू किया जाए। इसमें दोराय नहीं कि समन्वित प्रयासों से ही सड़क हादसों को रोका जा सकता है। कोई मानवीय भूल न हो, इसके लिए चालकों को भी विशेष प्रशिक्षण और जागरूकता की जरूरत है। पहाड़ी इलाकों में जाने से पहले वाहनों की तकनीकी जांच कराने का पहलू भी अहम है। अगर हर स्तर पर सतर्कता बरती जाए, तो निश्चित रूप से दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है।

बजट 2026-27: भारत की आर्थिक दिशा, टैक्स सुधार और मिडिल क्लास की उम्मीदों का निर्णायक पड़ाव

लोकतंत्र में बजट जवाबदेही और पारदर्शिता की कसौटी होता है, राजकोषीय अनुशासन व मिडिल क्लास, नौकरीपेशा वर्ग, किसानों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के बीच संतुलन साधने की अपेक्षा- वैश्विक स्तरपर भारत का आम बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज़ नहीं होता, बल्कि यह देश की आर्थिक सोच सामाजिक प्राथमिकताओं और वैश्विक भूमिका को परिभाषित करने वाला नीति-घोषणापत्र होता है। वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट इस दृष्टि से ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि यह न केवल एक नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत करेगा, बल्कि भारत के आयकर ढांचे में होने वाले सबसे बड़े कानूनी परिवर्तन से पहले का अंतिम पूर्ण बजट भी होगा। यही कारण है कि संसद से लेकर शेयर बाजार तक, टैक्सपेयर्स से लेकर उद्योग जगत तक और भारत से लेकर वैश्विक निवेशकों तक,सभी की निगाहें इस बजट पर टिकी हुई हैं। वर्ष 2026-27 के बजट का औपचारिक आगाज़ संसद के बजट सत्र के साथ होगा, जिसे 28 जनवरी से 2 अप्रैल 2026 तक आयोजित करने की मंजूरी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दी जा चुकी है। यह सत्र दो चरणों में विभाजित होगा, पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा चरण 9 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा। इस विस्तारित सत्र का उद्देश्य केवल बजट पारित करना नहीं, बल्कि उससे जुड़ी नीतियों, संशोधनों और विधायी पहलुओं पर व्यापक विमर्श सुनिश्चित करना है। लोकतंत्र में बजट सत्र सरकार और संसद दोनों के लिए जवाबदेही और पारदर्शिता की कसौटी होता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लोकसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश करेंगी। यह क्षण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनका एक और बजट होगा, जिसमें उनसे न केवल राजकोषीय अनुशासन बल्कि मिडिल क्लास, नौकरीपेशा वर्ग, किसानों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के बीच संतुलन साधने की अपेक्षा की जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था में बजट के हर प्रावधान का सीधा असर घरेलू मांग, निवेश वातावरण और वैश्विक भरोसे पर पड़ता है। बजट का सबसे संवेदनशील पक्ष इसको समझने की करें तो,हर बजट में अगर किसी एक वर्ग की निगाहें सबसे अधिक वित्तमंत्री के भाषण पर टिकी होती हैं, तो वह है टैक्सपेयर्स विशेषकर मिडिल क्लास और नौकरीपेशा लोग। महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रिटायरमेंट की बढ़ती लागत के बीच यह वर्ग वर्षों से यह महसूस करता आया है कि आर्थिक विकास का सबसे बड़ा बोझ उसी के कंधों पर है। इसलिए बजट 2026-27 में इनकम टैक्स से जुड़ी घोषणाएं केवल वित्तीय नहीं,बल्कि सामाजिकराजनीतिक संदेश भी होंगी। बजट और निवेशकों का संबंध इसको समझने की करें तो बजट 2026- 27 का असर केवल आम नागरिकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका सीधा प्रभाव शेयर बाजार और पूंजी बाजार पर भी पड़ेगा। स्टॉक एक्सचेंजों ने संकेत दे

दिए हैं कि यदि 1 फरवरी को बजट रविवार के दिन पेश किया जाता है,तो उस दिन स्पेशल ट्रेडिंग सेशनआयोजित किया जाएगा। यह व्यवस्था दर्शाती है कि बजट घोषणाओं को बाजार कितनी गंभीरता से लेता है। टैक्स सुधार, पूंजीगत लाभ कर, टीडीएस नियम और निवेश प्रोत्साहन जैसे प्रावधान बाजार की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

अगर हम नया इन्कम टैक्स एक्ट 2025 एक युग का अंत, दूसरे की शुरुआत को समझने की करें तो, यूनियन बजट 2026-27 को ऐतिहासिक बनाने वाला सबसे बड़ा कारण यह है कि यह 60 साल पुराने आयकर कानून के अंत से पहले का अंतिम पूर्ण बजट होगा। सरकार 1 अप्रैल 2026 से नया इन्कम टैक्स एक्ट 2025 लागू करने जा रही है, जो मौजूदा जटिल विवादग्रस्त और बार-बार संशोधित कानून की जगह लेगा। ऐसे में बजट 2026-27 केवल मौजूदा वित्तीय जरूरतों का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि आने वाले टैक्स सिस्टम की बुनियाद भी रखेगा। क्या मिडिल क्लास की खुलेगी किस्मत? इसको समझने की करें तो(1)धारा 80सी और 80डी की सीमा में वृद्धि : बचत और सुरक्षा का सवाल-धारा 80सी के तहत 1.5 लाख की कर छूट सीमा वर्षों से अपरिवर्तित है,जबकि इस अवधि में महंगाई, आय स्तर और जीवन-शैली खर्चों में भारी वृद्धि हुई है। इसी प्रकार 80डी के तहत स्वास्थ्य बीमा पर मिलने वाली छूट भी आज की चिकित्सा लागत के मुकाबले अपर्याप्त प्रतीत होती है। टैक्सपेयर्स की प्रमुख मांग है कि इन सीमाओं को यथार्थवादी स्तर तक बढ़ाया जाए, ताकि लंबी अवधि की बचत, बीमा कवरेज और सामाजिक सुरक्षा को प्रोत्साहन मिल सके। (2)लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स में राहत:निवेशसंस्कृति को बढ़ावा-भारत सरकार निवेश आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना चाहती है, लेकिन लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स की मौजूदा संरचना कई निवेशकों को हतोत्साहित करती है। टैक्सपेयर्स की अपेक्षा है कि या तो इसकी आय सीमा बढ़ाई जाए, या फिर छोटे और मध्यम निवेशकों को अतिरिक्त राहत दी जाए।इससे घरेलू निवेश, रिटेल पार्टिसिपेशन और पूंजी बाजार की गहराई बढ़ सकती है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होगा।(3) टीडीएस सीमा में वृद्धि:नकदी प्रवाह और अनुपालन की सरलता- टीडीएस (टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स) व्यवस्था का उद्देश्य टैक्स संग्रह को आसान बनाना है, लेकिन अत्यधिक कम सीमाएं कई बार अनावश्यक अनुपालन बोझ पैदा करती हैं।वरिष्ठ नागरिकों, फ्रीलांसर्स और छोटे करदाताओं की मांग है कि विभिन्न श्रेणियों में टीडीएस की सीमा बढ़ाई जाए, जिससे नकदी प्रवाह सुधरे और रिफंड- आधारित टैक्स सिस्टम पर निर्भरता कम हो।(4)नए इनकम टैक्स कानून में सरल संरचना : जटिलता से मुक्ति-इन्कम टैक्स एक्ट 2025 से सबसेबड़ी उम्मीद यह है कि यह सरल, स्पष्ट और विवाद-मुक्त होगा। बजट 2026-27 में सरकार से अपेक्षा है कि वह इस नए कानून की संरचना को स्पष्ट संकेतों के माध्यम से पेश करे जैसे कम धाराएं,सरल भाषा, डिजिटल- फ्रेंडली अनुपालन और न्यूनतम व्याख्यात्मक विवाद। यह सुधार भारत की ईजी ऑफ़ डूइंग बिज़नेस रैंकिंग और वैश्विक टैक्स छवि को भी मजबूत करेगा। (5) विवाद समाधान और टैक्स आतंक से मुक्ति-पिछले वर्षों में सरकार ने 'टैक्स टेररिज़्म' की धारणा को समाप्त करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अब भी लंबे विवाद, अपीलें और मुकदमेबाज़ी टैक्सपेयर्स के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। बजट 2026-27 से अपेक्षा है कि इसमें तेज़, पारदर्शी और तकनीक- आधारित विवाद समाधान तंत्र को और मजबूत किया जाएगा। इस बजट को दो एंगल मिडिल क्लास व शेयर बाजार केंद्रित से समझने की करें तो (1) मिडिल क्लास केंद्रित आय, बचत और जीवन- स्तर की कसौटी-बजट 2026- 27 मिडिल क्लास के लिए इसलिए निर्णायक है क्योंकि यह नए इनकम टैक्स कानून से पहले का अंतिम पूर्ण बजट है।नौकरी पेशा और मध्यम आय वर्ग की प्रमुख अपेक्षा यह है कि बढ़ती महंगाई, शिक्षा-स्वास्थ्य खर्च और रिटायरमेंट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इनकम टैक्स ढांचे में वास्तविक राहत दी जाए। विशेष रूप से धारा 80सी और 80डी की सीमाओं में वृद्धि मिडिल क्लास के लिए केवल टैक्स लाभ नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा का साधन मानी जा रही है।यदि बजट में कर-छूट या टैक्स स्लैब में संतुलित सुधार होता है, तो इसका सीधा असर घरेलू खपत पर पड़ेगा। ऑटो, आवास, उपभोक्ता वस्तुएँ और सेवाएँ,ये सभी सेक्टर मिडिल क्लास की डिस्पोज़ेबल इनकम से चलते हैं। इसलिए बजट 2026-27मिडिल क्लास के लिए इस प्रश्न का उत्तर देगा कि क्या सरकार उसे केवल टैक्स बेस के रूप में देखती है या आर्थिक विकास का इंजन मानती है।(2) शेयर बाजार केंद्रित-भरोसा,स्थिरता और दीर्घ कालिक संकेत-शेयर बाजार के लिए बजट 2026-27 अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से अधिक नीतिगत दिशा और टैक्स स्थिरता का दस्तावेज़ है।निवेशकों की प्राथमिक अपेक्षा यह है कि कैपिटल गेन टैक्स, टीडीएस और कॉरपोरेट टैक्स से जुड़े संकेत स्पष्ट और पूर्वानुमेय हों। टैक्स अनिश्चितता बाजार को कमजोर करती है,जबकि स्थिरता दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करती है। यदि बजट में राजकोषीय अनुशासन के साथ कैपेक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह कैपिटल गुड्स, बैंकिंग और इंडस्ट्रियल सेक्टर के लिए सकारात्मक ट्रिगर होगा। साथ ही,नए इन्कम टैक्स एक्ट 2025 को लेकर स्पष्ट रोडमैप शेयर बाजार को यह संकेत देगा कि भारत का पूंजी बाजार नियम- आधारित और निवेश-अनुकूल दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत आज विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है ऐसे में बजट 2026-27 न केवल घरेलूनीति का दस्तावेज़ होगा, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय निवेशकों रेटिंग एजेंसियों और बहुपक्षीय संस्थाओं के लिए भी एक संकेतक बनेगा। टैक्स सुधार, कानून की स्थिरता और नीतिगत स्पष्टता भारत को चीन के बाद एक विश्वसनीय निवेश गंतव्य के रूप में और मजबूत कर सकती है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि एक बजट, कई उम्मीदें,एक ऐतिहासिक मोड़ है बजट 2026-27 एक साधारण वार्षिक बजट नहीं है। यह पुराने टैक्स युग से नए टैक्स युग की दहलीज पर खड़ा बजट है। यह मिडिल क्लास की वर्षों पुरानी अपेक्षाओं निवेशकों की आकांक्षाओं और सरकार की सुधारवादी छवि, तीनों की परीक्षा लेगा।यदि यह बजट संतुलित, दूरदर्शी और संवेदनशील रहा, तो यह भारत की आर्थिक यात्रा में एक निर्णायक मील का पत्थर साबित हो सकता है।

-संकलनकर्ता लेखक-**किशन सनमुखदास भावनानीं,** गोंदिया महाराष्ट्र

आंचलिक

जिले में आज से होंगे एमपी यूथ गेम्स

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले में खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन व खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा एमपी यूथ गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। इस स्पर्धा का आयोजन एक साल बाद हो रहा है। इससे पहले एमपी यूथ गेम्स का आयोजन 2024 में हुआ था। यूथ गेम्स के तहत प्रतियोगिताओं को आयोजन 12 से 31 जनवरी तक चार चरणों में होगा। प्रथम चरण के दौरान ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिताएं होगी। इस आयोजन में खेल व युवा कल्याण विभाग के साथ ही संबंधित खेल संघों के समन्वय से किया जाएगा। जिला खेल अधिकारी पवी दुबे ने बताया कि प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल, वॉलीबॉल, योगासन, मल्लखंभ, बास्केटबॉल, तैराकी, शूटिंग, जूडो, ताइक्वांडो, कयाकिंग-कैनोइंग, रस्साकशी, पिट्ठू, फेंसिंग, रोइंग, आर्चरी, बॉक्सिंग और कुश्ती सहित कई खेल शामिल किए गए हैं। प्रतियोगिता ब्लॉक, जिला, संभाग और राज्य स्तर पर आयोजित की जाएगी। खिलाड़ियों की आयु सीमा राष्ट्रीय खेल फेडरेशन द्वारा निर्धारित जूनियर वर्ग के अनुसार रहेगी। इन प्रतियोगिताओं में अंडर-18 के सभी खिलाड़ी भाग ले सकते है। खिलाड़ियों के लिए ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य किया गया है। एकेडमिक स्तर पर होगी संभाग स्तरीय स्पर्धा कार्यक्रम के तहत ब्लॉक स्तर के बाद जिला स्तर और फिर संभाग स्तर पर प्रतियोगिता होगी। इस बार संभाग स्तरीय स्पर्धा उन्हीं स्थानों पर होगी जहां संबंधित खेल की एकेडमी है। आयोजन की तैयारियों को लेकर एडीएम रेखा राठौड़ की अध्यक्षता में बैठक भी हो चुकी है। इसमें चयनित खिलाड़ियों को लाने और ले जाने की व्यवस्था शासन स्तर से ही की जाएगी। इस स्पर्धा में राज्य स्तर पर भी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। जिसमें प्रथम पुरस्कार 31 हजार, द्वितीय पुरस्कार 21 हजार, तृतीय पुरस्कार 11 हजार और चतुर्थ पुरस्कार 7 हजार बालक व बालिका वर्ग को पृथक-पृथक रुप से दिया जाएगा।

हिंदू संगठित नहीं होगा तो देश टुकड़ों में बंटता रहेगा : अभ्यंकर

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● नगर में रविवार को हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। ढोल-ताशों, झांझ-मंजीरों व झांकियों के साथ नृत्य करते महिला, पुरुष व बच्चे सम्मेलन स्थल पहुंचे। बालिका सौम्या त्रिवेदी ने शंखनाद से शुभारंभ किया। भारत माता के चित्र के पूजन के बाद बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। 30 समाज प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। महामंडलेश्वर अरुण गिरी जी महाराज ने हिंदू धर्म की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया भगवान ने गीता में कहा है कि मैंने गुणों व कर्मों के विभाग के आधार पर चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) की रचना की है, न कि जन्म से। इसलिए सर्वजन समभाव की भावना के साथ हिंदू एकता जरूरी है। मातृ शक्ति प्रतिनिधि शालिनी रतोरिया ने जात पात की कर दी बिदाई हिंदू-हिंदू भाई-भाई और पांच संकल्प लेने का आग्रह किया। यशवंत सिंह चौहान बोरगांव ने एकल गीत की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा प्रमुख पराग अभ्यंकर ने अखंड भारत की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया यदि हिंदू संगठित नहीं होगा तो देश पाकिस्तान व बांग्लादेश जैसे टुकड़ों में बंटता रहेगा। इसलिए एकजुट रहना होगा।संघ के स्वयंसेवक भारत मां को अपनी माता का स्थान देते है इसलिए देश की सेवा के लिए प्राण तक न्योछावर कर देते है। राम जन्मभूमि की कारसेवा का जिक्र करते हुए बताया कि मुलायमसिंह ने गोलियां चलवा दी। इसमें कोलकाता के कोठारी भाई शहीद हुए थे। उनकी माता कहने लगी मुझे दुख है कि भगवान ने मुझे दो ही बेटे दिए।

खंडवा-छैगांव रोड़ फोरलेन होगी, एनएच पीडब्ल्यूडी ने 96 करोड़ लागत का टेंडर लगाया

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा से छैगांवमाखन के बीच 10 किलोमीटर का रास्ता अब फोरलेन का रूप लेगा। दरअसल, इंदौर हाईवे पर जाने के लिए खंडवा वालों को इतने हिस्से में टू-लेन से सफर करना पड़ रहा था। अब एनएच पीडब्ल्यूडी ने 96 करोड़ रुपए की लागत से टेंडर लगाए है, जो कि फरवरी तक खुलेंगे। टेंडर अनुसार, निर्माण कंपनी को डेढ़ साल के भीतर प्रोजेक्ट को पूरा करने की शर्त रखी गई हैं। राहत की बात यह है कि, इंदौर से फोरलेन की रफ्तार में आने वाले छैगांवमाखन के बाद खंडवा के लिए भी उसी रफ्तार में निकलते है। लेकिन रास्ता टू-लेन और संकीर्ण होने के चलते हादसों का डर रहता था। रास्ते में कई जगह ऐसे ब्लैक स्पॉट है, जो कि

खतरनाक है, यहां आए दिन हादसे होते है। फोरलेन बनने से चौड़ीकरण होगा तो हादसे कम होंगे। वहीं मुसीबत यह है कि, पुराने अलायमेंट पर ही फोरलेन बनेगा, इससे रास्ते में अंधे मोड खत्म नहीं हो पाएंगे। ना ही किसी आबादी क्षेत्र में बायपास रहेगा। खंडवा के इंदौर नाका से लेकर छैगांवमाखन के बाहर से निकल रहे इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाईवे तक कुल 10.475 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। सड़क निर्माण के साथ कंपनी पांच साल मेंटनेंस करेगी। सड़क के फोरलेन निर्माण के लिए एक साल पहले से कवायद शुरू हुई थी। पीडब्ल्यूडी के नेशनल हाईवे विंग इंदौर के अधिकारियों ने सड़क का सर्वे का विस्तार की संभावनाओं के साथ ही खंडवा शहरी क्षेत्र से निकलने वाले ट्रैफिक का आंकलन किया। जिसके बाद प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेजा। केंद्र सरकार की ओर से मिली मंजूरी के बाद दो दिन पहले ही टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर विभाग ने उसे जारी किया। 23 फरवरी तक टेंडर जमा होगा। जिसके बाद 25 फरवरी को टेंडर ओपन होगा।

कार से शराब तस्करी, बाइक से रैकी, 3 आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● अवैध शराब के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 पेटी शराब जब्त की है। थाना मोघट रोड पुलिस ने यह कार्रवाई शनिवार को सुरगांव नेपानी रोड पर की। इस दौरान बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार और एक पल्सर मोटरसाइकिल से शराब की तस्करी करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। टीआई धीरेश धारवाल ने बताया कि, मुखबिर से सूचना मिली थी कि सिंधी कॉलोनी निवासी आकाश पंजाबी और भानु प्रताप गंगवानी बिना नंबर की सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार से अवैध शराब लेकर सुरगांव नेपानी रोड से खंडवा की ओर आ रहे हैं। वहीं, उनका साथी कौशल नतानी पल्सर मोटरसाइकिल से आगे-आगे निगरानी कर रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वाहनों को रोका। जांच के दौरान कार और उसकी डिक्की से कुल 18 पेटियों में भरी अवैध शराब बरामद हुई। इसमें देशी प्लेन शराब के साथ 8 पीएम स्पेशल, सिग्नेचर, ब्लेंडर्स प्राइड/बेगपाइपर, ओल्ड मंक रम और रॉयल स्टैग जैसी विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब शामिल है। इस तरह 45 लीटर देशी प्लेन, 115 लीटर अंग्रेजी शराब पाई गई। इसका बाजार मूल्य करीब डेढ़ लाख रूपए है। नियमानुसार प्रत्येक ब्रांड के सैंपल लेकर शेष शराब को सील कर जब्त किया गया। पुलिस ने शराब तस्करी में प्रयुक्त बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार (कीमत करीब 3 लाख रुपए) और निगरानी में इस्तेमाल की जा रही पल्सर मोटरसाइकिल

(कीमत करीब 1 लाख रुपए) भी जब्त कर ली। गिरफ्तार आरोपियों में आकाश पंजाबी (29), भानु प्रताप गंगवानी (32), कौशल नतानी (27) तीनों निवासी सिंधी कॉलोनी, खंडवा हैं। पूछताछ में आरोपी शराब परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने तीनों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया। जब्त शराब और वाहन मालखाने में सुरक्षित रखवाए गए हैं, वहीं मामले की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के लिए आगे भी लगातार कार्रवाई की जाएगी।

घोटाले के आरोपी अधिकारी को प्रमोशन जैसी पोस्टिंग, रिश्वत लेते भी पकड़ा जा चुका

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● बहुचर्चित घाट घोटाले के मुख्य आरोपी काशीराम कानूडे की खंडवा में वापसी हो गई है। उसे जिला पंचायत में एडिशनल सीईओ नियुक्त किया गया है, जो सीईओ के बाद दूसरा सबसे अहम पद माना जाता है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस जिला पंचायत में घाट घोटाले की जांच चल रही है, उसी कार्यालय में मुख्य आरोपी को पदस्थ कर दिया गया है। कानूडे पर इस घोटाले में 58 लाख रुपए से अधिक की रिकवरी बाकी है। इसके बावजूद उसकी इस अहम पद पर तैनाती ने प्रशासनिक हलकों में सवाल खड़े कर दिए हैं। घाट घोटाले का मामला वर्ष 2020 के कोरोना काल से जुड़ा है। उस समय पुनासा जनपद की पंचायतों में मनरेगा योजना के तहत घाट निर्माण कार्य कराए गए थे। शिकायत मिलने पर जब जांच हुई तो सामने आया कि कई स्थानों पर नदी-नाले या पानी तक मौजूद नहीं था। फिर भी कागजों में घाट बना दिए गए। इस मामले में तत्कालीन जनपद सीईओ काशीराम कानूडे, सहायक इंजीनियर, इंजीनियर और 62 ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिवों के खिलाफ गबन का केस दर्ज किया गया था। जांच में काशीराम कानूडे को मुख्य आरोपी मानते हुए उन पर 58 लाख 64 हजार 838 रुपए की रिकवरी तय की गई थी। इसके अलावा बाद में सीईओ बनी स्वर्णलता काजले पर 1.40 लाख रुपए, तत्कालीन सहायक इंजीनियर दिलीप कैथवास पर 18.36 लाख रुपए और इंजीनियर श्वेताली लुक पर 41.68 लाख रुपए की रिकवरी तय की गई थी। एक साल पहले इंदौर संभाग के तत्कालीन कमिश्नर ने जिला पंचायत सीईओ के पुराने रिकवरी आदेश को निरस्त कर पंचायतवार फोटोग्राफ और पंचनामा के साथ नए सिरे से रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए थे। आदेश में पंचायत अधिनियम के तहत कार्रवाई स्पष्ट रूप से लिखी गई थी। हालांकि, जिम्मेदार अधिकारियों ने इस आदेश को एक तरह का स्टे मान लिया। नए सीईओ को कथित रूप से गुमराह किया गया और मनरेगा शाखा के जरिए जांच को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। काशीराम कानूडे अप्रैल में रिटायर होने वाले हैं। घाट घोटाले के बाद उनका तबादला धार जिले में कर दिया गया था। वहां उमरबन जनपद सीईओ रहते हुए 14 सितंबर 2024 को लोकायुक्त ने उन्हें 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा था। लोकायुक्त अधिकारी सुनील तालान के अनुसार, अभी इस मामले में चालान पेश नहीं हुआ है। प्रक्रिया पूरी होने में समय लगता है।

13 जनवरी से 33वां आदिवासी सम्मेलन, देश विदेश से लाखों आदिवासी जुटेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ●नेपानगर क्षेत्र स्थित ग्राम चेनपुरा में 13 से 15 जनवरी तक 33वां आदिवासी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस तीन दिवसीय आयोजन में देशभर के साथ-साथ विदेशों से भी लाखों आदिवासी समाजजन और कई प्रमुख आदिवासी नेता शामिल होंगे। रविवार शाम तक यहां तैयारियों का दौर चला। अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य भी 14 जनवरी को इस सम्मेलन में सहभागिता करेंगे। आदिवासी एकता परिषद द्वारा आयोजित इस सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर हैं। आयोजन के लिए करीब डेढ़ सौ एकड़ क्षेत्र में टेंट, पार्किंग और अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। गुजरात, राजस्थान, झारखंड, असम, आंध्र प्रदेश और उड़ीसा जैसे राज्यों से आदिवासी समाज के लोग इसमें शामिल होंगे। विदेशों में बसे आदिवासियों को भी आमंत्रित किया गया है। सम्मेलन के पहले दिन, 13 जनवरी को आदिवासी एकता प्रदर्शनी का उद्घाटन होगा। इसके बाद आदिवासी साहित्य, कला, ज्ञान और इतिहास पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी। आदिवासी नारी विमर्श सम्मेलन और शाम तक युवा विमर्श सम्मेलन होगा। आदिवासी बाल कला एवं सांस्कृतिक महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

सबालेंका ने जीता 21वां डब्ल्यूटीए खिताब, आर्यना ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल फाइनल में हराईं मार्टा कोस्त्युक

ब्रिस्बेन (एजेंसी) • दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल फाइनल में मार्टा कोस्त्युक को हराकर करियर का 22वां ड्क्षसगल्स खिताब जीता। सबालेंका ने रविवार शाम को एक घंटे और 18 मिनट में दुनिया की नंबर 26 खिलाड़ी कोस्त्युक को 6-4, 6-3 से हराकर लगातार दूसरे साल ब्रिस्बेन इंटरनेशनल खिताब जीता। कोस्त्युक पर जीत के साथ सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट में शानदार प्रदर्शन पूरा किया, जहां उन्होंने अपने पांच मैचों में एक भी सेट नहीं हारा। इससे सबालेंका टूर्नामेंट के 17 साल के इतिहास में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में लगातार खिताब जीतने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी बन गईं। टॉप-सीड एलिना स्वितोलिना ने रविवार को अपना 19वां डब्ल्यूटीए खिताब जीता। उन्होंने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एसीबी क्लासिक फाइनल में चीन की वांग शिन्यू को 6-3, 7-6(8) से हराया। 31 साल की यूक्रेनी खिलाड़ी ने सभी चार ब्रेक प्वाइंट बचाए, पहले सर्व के 74 प्रतिशत प्वाइंट जीते और मैच का एकमात्र ब्रेक 4-2 पर वांग की सर्विस तोड़कर हासिल किया। इसके बाद उन्होंने दूसरे सेट का टाईब्रेक जीता। स्वितोलिना ने 2025 के आखिर में चोट के कारण चार मैचों की हार का सिलसिला खत्म करते हुए डब्ल्यूटीए 250 इवेंट में लगातार पांच मैच जीते।

फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' का गाना अनप्लग्ड वर्जन रिलीज

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 का गाना रांझे नू हीर का अनप्लग्ड वर्जन् रिलीज हो गया है। किस किसको प्यार करूं 2 के मेकर्स ने एल्बम का पांचवां और आखरिी गाना रांझे नू हीर' रिलीज़ कर दिया है। इस बार तो खास सरप्राइज़ है, रोमांटिक फेवरेट 'रांझे नू हीर' का अनप्लग्ड वर्जन्, जिसे खुद कपिल शर्मा ने अपनी आवाज़ दी है। इस नए अंदाजने् पहले से पसंद किए जा रहे गाने में इमोशन्स की एक और गहराई जोड़ दी है। फिल्म का म्यूजिक एल्बम इसकी सबसे मज़बूत ताकत बनकर उभरा है, जहां हर गाना सीधे दिल से कनेक्ट करता दिखा है और श्रोताओं की प्लेलिस्ट का हिस्सा बन चुका है। इसी म्यूजक़िल सक्सेस को आगे बढ़ाते हुए, अनप्लग्ड वर्जन् गाने को और भी निजी, सादा और दिल से निकला हुआ एहसास देता है, जो एल्बम के फिनाले को खास बना देता है। 'रांझे नू हीर' को पहले जुबिन नौटियाल ने गाया था और बोल लिखे हैं लवराज ने।

यह गाना एक टाइमलेस, पुराने ज़माने के इश्क़ की खूबसूरत तस्वीर पेश करता है। अनप्लग्ड वर्जन् उस जज़्बात को और खुलकर सामने लाता है और एल्बम को एक सोलफुल क्लोजिंग नोट देता है। अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में बनी यह फिल्म रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के बैनर तले, अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से बनाई गई है। कपिल शर्मा के साथ फिल्म में मंजोत सिंह, हीरा वारिना, त्रिधा चौधरी, पारुल गुलाटी, आयशा खान, अखिलेंद्र मिश्रा, विपिन शर्मा, सुशांत सिंह, जैमी लीवर, स्मिता जयकर, सुप्रिया शुक्ला और दिवंगत असरानी जैसे दमदार कलाकार नजर आते हैं।

खेलो म प्र टीम के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स आज से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने बताया कि खेलो म प्र यूथ गेम 2026 के अंतर्गत दिनांक 12 जनवरी को जिला स्तरीय बालक, बालिकाओं की हॉकी इंदौर टीम के लिए चयन ट्रायल्स चिमनबाग हॉकी मैदान ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर पर जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स आयोजित की गई है। उक्त चयन ट्रायल्स मे अंडर 19 वर्ष से कम खिलाडी दिनांक 1 जनवरी 2007 अथवा उसके पश्चात जन्म खिलाडी भाग लेगी । टीम चयन के लिए 5 सदस्यीय समिति गठित की गई है।

वूमेंस प्रीमियर लीग 2026 से बाहर हुईं यास्तिका

नई दिल्ली (एजेंसी) • गुजरात जायंट्स की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया वूमेंस प्रीमियर लीग 2026 से बाहर हो गई हैं। भाटिया की उपलब्धता को पहले से ही संशय बना हुआ था, क्योंकि अक्तूबर में उनकी एसीएल सर्जरी हुई थी। डब्ल्यूपीएल ने नीलामी से पहले ही तमाम फ्रैंचाइजी को सूचित कर दिया था कि अगर कोई टीम उन्हें खरीदती है तो उनके लिए रिप्लेसमेंट विकल्प नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद जीजी और यूपी वॉरियर्ज ने उनके लिए बोली लगाई और जीजी ने 50 लाख में उन्हें खरीद लिया। कोच माइकल क्लिंगर ने सोशल मीडिया पर फ्रैंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि आप अच्छी होंगी और अच्छी तरह से रिकवर कर रही होंगी। हमें आपके दोबारा फिट होने और डब्ल्यूपीएल के पांचवें सीजन में बेसब्री से आपकी वापसी का इंतजार है।'

फिल्म 'विधवा बनी सुहागन' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई (एजेंसी) • भोजपुरी फिल्म विधवा बनी सुहागन का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। यश कुमार और सपना चौहान की इस नई फिल्म का पोस्टर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा रहा है। फर्स्ट लुक में फिल्म की भावनात्मक थीम और सामाजिक संदेश की झलक साफ दिखाई देती है, जिसने दर्शकों को कहानी के प्रति आकर्षित किया है। पोस्टर से ही यह संकेत मिलता है कि फिल्म एक सशक्त विषय पर आधारित है, जो समाज की रूढियों और संवेदनाओं को छूने वाली है। फिल्म के निर्माता दीपक शाह हैं, जबकि निर्देशन की कमान प्रमोद शास्त्री ने संभाली है। कथा और पटकथा एस. के. चौहान की है। संगीतकार मुन्ना दुबे हैं, जिन्होंने स्वयं ही शेखर मधुर के साथ गीत भी लिखे हैं। इस फिल्म में यश कुमार और सपना चौहान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ अनुभवी कलाकार अवधेश मिश्रा, बलेश्वर सिंह, राधे कुमार, यामिनी जोशी, जया पांडेय, ममता वर्मा, रागिनी दुबे, संजीव मिश्रा, चंदन कश्यप, सपू चौहान और काजल झा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

उज्जैन संभाग

वज्र वाहन पर बैठकर चाइना डोर पर सख्ती, पुलिस का सख्त निगरानी अभियान, माइक से कर रहे अनाउंसमेंट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • प्रतिबंधित चाइना डोर (चाइनीज मांझे) से होने वाली जानलेवा दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उज्जैन पुलिस ने शहरभर में विशेष जागरूकता एवं निगरानी अभियान चलाया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर संचालित किया गया, जिसका मकसद आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना और चाइनीज मांझे के अवैध उपयोग पर सख्ती से रोक लगाना है। अभियान के तहत उज्जैन पुलिस की टीमें वज्र वाहन में सवार होकर शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों, पुलों और संवेदनशील क्षेत्रों में पहुंचीं। इनमें महाकाल थाना क्षेत्र, बेगम बाग, तोपखाना और महाकाल ब्रिज प्रमुख रूप से शामिल रहे। पुलिस ने माइक अनाउंसमेंट के माध्यम से आम नागरिकों और दुकानदारों को स्पष्ट रूप से चेताया कि चाइनीज मांझा बेचना या खरीदना कानूनन अपराध है और ऐसा करने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टीमों ने शहर के सभी प्रमुख पुलों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान पहले से लगाए गए सुरक्षा तारों और फेंसिंग की स्थिति की जांच की गई, ताकि चाइना डोर से होने वाली दुर्घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोका जा सके। इसके साथ ही पतंग बाजारों और दुकानों के सामने रुककर दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई कि यदि कोई प्रतिबंधित मांझा बेचते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए ड्रोन कैमरों की मदद से ऊपर से निगरानी भी की गई, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं भी खुलेआम चाइना डोर का उपयोग न हो। इसके अलावा पुलिस ने दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों पर एंटी-डोर सेफ्टी गार्ड अवश्य लगवाएं, ताकि दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सके। उल्लेखनीय है कि इस प्रकार के जागरूकता अभियान में वज्र वाहन का उपयोग पहली बार किया गया, जिसका प्रयोग आमतौर पर विरोध-प्रदर्शनों के दौरान किया जाता है। पुलिस का मानना है कि इस अभियान से न केवल अवैध चाइनीज मांझे पर नियंत्रण लगेगा, बल्कि आमजन में भी सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ेगी।

आरकेवीएम सचिव डिजिटल अरेस्ट केस में कोर्ट सख्त नागदा के असिस्टेंट मैनेजर पर गिरफ्तारी वारंट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • ग्वालियर के रामकृष्ण मिशन आश्रम (आरकेवीएम) के तत्कालीन सचिव स्वामी सुप्रदीप्तानंद से जुड़े शहर के सबसे बड़े साइबर फ्रॉड (डिजिटल अरेस्ट) मामले में कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। विशेष सत्र न्यायालय ने इस प्रकरण का ट्रायल एक वर्ष के भीतर पूरा कर फैसला सुनाने के निर्देश दिए हैं। मामले में बंधन बैंक, नागदा के सहायक बैंक प्रबंधक महेश धाकड़ की गवाही होनी है, लेकिन कई बार समन जारी होने के बावजूद वे कोर्ट में पेश नहीं हुए। इस लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए शनिवार को विशेष सत्र न्यायालय ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। इस प्रकरण में पहले ही बंधन बैंक के एक सहायक प्रबंधक और एक महिला कैशियर को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में सामने आया है कि ठगी की गई 2.53 करोड़ रुपए की रकम देश के 6 राज्यों के 15 से अधिक शहरों के 548 बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी। ग्वालियर में 17 मार्च से 11 अप्रैल 2025 के बीच रामकृष्ण मिशन आश्रम के तत्कालीन सचिव स्वामी सुप्रदीप्तानंद को करीब 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 2.53 करोड़ रुपए की ठगी की गई थी। यह रकम आश्रम संस्था के तीन बैंक खातों से पहले 10 मुख्य खातों में ट्रांसफर हुई, इसके बाद इसे देशभर के 538 अन्य बैंक खातों में भेज दिया गया। मामले में क्राइम ब्रांच द्वारा स्नफ्क्र दर्ज किए जाने के बाद अब तक 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपियों में उज्जैन के नागदा स्थित बंधन बैंक का सहायक प्रबंधक और एक महिला कैशियर भी शामिल हैं। पुलिस ने जांच पूरी कर विशेष न्यायालय में चालान पेश कर दिया है।

कानूनी सेवाओं का डिजिटल हल, शहर के युवा ने शुरू किया 'वकील नाउ'

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • घर में वकालत की चर्चा, बहस और फाइलों के बीच पले-बढ़े अमृतांश अग्रवाल ने बचपन से ही कानूनी पेशे को बहुत करीब से देखा। पिता सहित परिवार के अधिकतर सदस्य वकील हैं। घर में वकालत की चर्चा, बहस और फाइलों के बीच उनका बचपन बीता। इसी माहौल ने उन्हें कानून की पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। पढ़ाई के दौरान उन्होंने उज्जैन, इंदौर और दिल्ली में इंटर्नशिप की। इस दौरान उन्होंने देखा कि लोग सही वकील तक समय पर नहीं पहुंच पाते। देर से सलाह मिलने पर केस और उलझ जाते हैं। इसी समस्या ने उन्हें सोचने पर मजबूर किया।

पढ़ाई पूरी होते ही उन्होंने टेक्निकल टीम के साथ मिलकर करीब डेढ़ साल की मेहनत से 'वकील नाउ' नाम का ऑनलाइन लीगल सर्विस प्लेटफॉर्म तैयार किया। यह प्लेटफॉर्म आम लोगों, व्यापारियों और स्टार्टअप को सीधे मान्यता प्राप्त वकीलों से जोड़ता है। यहां ऑनलाइन सलाह, दस्तावेज तैयार करना और केस से जुड़ी जानकारी सुरक्षित तरीके से मिलती है। आज इस पोर्टल से कई लोग और वकील जुड़ चुके हैं। अमृतांश का उद्देश्य है कि हर व्यक्ति को समय पर सही कानूनी सलाह मिल सके।

जर्जर पाइपलाइन बदल प्रोजेक्ट के तहत 136 किमी नई लाइन डालेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • इंदौर में हाल ही में गंदे पानी के चलते 21 लोगों की मौत ने यहां के नगर निगम और पीएचई विभाग को सतर्क कर दिया है। इसके बाद शहर में जल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बड़े स्तर पर काम शुरू कर दिया है। पिछले 10 दिनों में नागझिरी कॉलोनी, आदर्शनगर सेक्टर बी, क्षीरसागर, पंवासा, सिंधी कॉलोनी और छत्री चौक सहित कई क्षेत्र व कॉलोनियों से गंदे पानी मिलने की शिकायतें आई थी। यहां के लोगों ने बताया कि कई जगह पानी पीने योग्य तक नहीं आ रहा है। कुछ लोग फिल्टर पानी का उपयोग कर रहे हैं। इन शिकायतों को देखते हुए पीएचई विभाग ने पिछले 10 दिनों में 133 जगह लाइन में लीकेज चिह्नित किए हैं। इनमें से 115 जगह पर सुधार भी करवाया है। साथ ही वाल्व मरम्मत, ओवरहेड टैंकों की सफाई और जलभराव स्थलों पर भी काम किया है।

निगम द्वारा गंदे पानी की शिकायत करने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए, जहां पिछले 10 दिन से लोग पानी से संबंधित अपनी शिकायतें दर्ज करवा रहे हैं। प्रभारी निगम आयुक्त के निर्देशानुसार इन शिकायतों का समाधान 24 से 48 घंटों में किया जा रहा है। कई जगहों पर समस्या बनी हुई है, क्योंकि वहां कि पाइपलाइन की हालत काफी खराब है। ऐसी जगह जैसे महाश्वेतानगर, पांड्याखेड़ी में नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। शहर की अधिकांश पाइपलाइन 1990 के दशक में डाली गई थी और अब जर्जर स्थिति में है। इसके अलावा शहर में लगातार हो रहे निर्माण कार्यों ने पाइपलाइन की स्थिति को और भी कमजोर कर दिया है। इस कारण नाली और मिट्टी का पानी जलप्रदाय की लाइन में मिलने खतरा बना हुआ है।

पीएचई विभाग के अनुसार पिछले 10 दिन में ही 133 चिह्नित मरम्मत व लीकेज के कार्य में से 115 पूरे कर लिए हैं। टीम ने सुबह से शाम तक कार्य करते हुए पाइपलाइन लीकेज ठीक की, वाल्व की मरम्मत की और ओवरहेड टैंकों की सफाई की। नगर निगम ने जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए 52 ओवरहेड टैंकों की जांच की, जिनमें से 40 टैंकों की सफाई हो चुकी, 12 का सफाई कार्य चल रहा है। शहर को 34 साल बाद गंभीर डेम के विकल्प के रूप में हरियाखेड़ी प्रोजेक्ट मिलेगा। 1113.07 करोड़ की लागत से बनने वाली यह योजना सिंहस्थ 2028 के दौरान 30 करोड़ श्रद्धालुओं और 2047 तक शहरवासियों की जल आवश्यकताओं को पूरा करेगी। प्रोजेक्ट में 49,000 नए कनेक्शन होंगे। लगभग 136 किलोमीटर नई क्लियर वॉटर पाइपलाइन बिछाई जाएगी और 534 किलोमीटर वितरण नेटवर्क तैयार होगा। पांच जल शोधन संयंत्र और 17 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे, जबकि 44 पुराने टैंकों को मजबूत किया जाएगा।

सीईओ के निर्देश से ज्यादा डर हुआ हावी

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर • दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में सीईओ जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन के निर्देश बेअसर साबित हो रहे है। कहने को तो सीईओ ने शिक्षा विभाग ने अनेक नवाचार शुरू किए और विभाग में शुचिता लाने का प्रयास जरूर किया, लेकिन उनकी मंशा और सद्प्रयास डाइट में आकर पूरी तरह से ध्वस्त किए जा रहे है। उन्होंने वर्तमान प्राचार्य शोभा शुक्ला को स्पष्ट तौर निर्देशित किया था कि जब तक शासन के स्पष्ट आदेश नहीं आ जाते, तब तक मंगलेश व्यास निलंबित रहेंगे और उन्हें केवल निर्वाह भत्ता की पात्रता रहेगी। अभी उन्हें डाइट प्राचार्य का प्रभार देने की आवश्यकता नहीं है। डाइट प्राचार्य ने डाइट के प्रभार को लेकर सीईओ का आदेश माना, लेकिन इसे विडंबना कहे कि आज भी डाइट प्राचार्य की कुर्सी पर निलंबित मंगलेश व्यास ही बैठते है।

सूत्रों के अनुसार मंगलेश व्यास ने कार्यालय में डर का माहौल बनाकर

रखा है और झांकीबाजी करते रहते है। इसी के प्रभाव में आकर डाइट प्राचार्य शोभा शुक्ला अपनी कुर्सी पर बैठने के बजाय एक छोटे से कमरे में बैठकर अपने पदीय दायित्वों को पूरा कर रही है। बेशर्मी की इंतहा देखिए कि डाइट प्राचार्य पद से निलम्बित हुए मंगलेश व्यास सार्वजनिक आयोजनों में अभी भी अपने आपको डाइट प्राचार्य कहते हैं।

गौरतलब है कि डीईओ कार्यालय में भ्रष्टाचार की नई इबारत लिखने वाले मंगलेश व्यास डाइट प्राचार्य रहते निलंबित हो गए थे। 90 दिन के पश्चात आरोप पत्र नहीं मिलने के चलते अपने आपको स्वमेव ही बहाल समझकर डाइट प्राचार्य की कुर्सी पर जमकर बैठ गए। लेकिन सीईओ जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन ने उन्हें इसका पदभार देने से इनकार कर दिया।

इसके बावजूद भी डाइट प्राचार्य शुक्ला ने सीईओ के निर्देश को नहीं मानते हुए पर अपनी कुर्सी पर एक निलंबित को बैठने दिया। यह साफ-साफ दर्शाता है कि अपने वरिष्ठ अधिकारी सीईओ के निर्देश को मानने की बजाय एक निलंबित को अपनी कुर्सी पर बैठने दिया।

तकनीकी तौर पर अभी भी जेडी अटैच

अगर तकनीकी तौर पर देखा जाए तो निलम्बित मंगलेश व्यास अभी भी इंदौर संभाग संयुक्त संचालक लोक शिक्षण (जेडी) में अटैच है। विदित है कि उनके निलंबन आदेश में उनका मुख्यालय जेडी ही था लेकिन अपने अपने विभागीय नियमों से परे समझने वाले निलम्बित व्यास ने बिना किसी आदेश के डाइट प्राचार्य की कुर्सी पर बैठना शुरू कर दिया। इस मामले में जितने दोषी निलम्बित मंगलेश व्यास है उतने ही दोषी डाइट प्राचार्य शोभा शुक्ला भी है।

कस्टम ड्यूटी की 4.18 करोड़ रुपए की चोरी

इंदौर जिला कोर्ट ने भेजा 14 दिन जेल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में डायरेक्टोरेट ऑफ रिवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। कार्रवाई में कस्टम ड्यूटी की 4.18 करोड़ की चोरी करने वाले आरोपी अंबर भारद्वाज को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को जिला कोर्ट ने 14 दिन की जेल में भेजने के आदेश दिए। इंदौर डायरेक्टोरेट आफ रिवेन्यू इंटेलिजेंस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। डीआरआई ने कस्टम ड्यूटी चोरी में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अंबर भारद्वाज, पिता सुरेंद्र भारद्वाज, उम्र 39 साल, मूल रूप से दिल्ली निवासी है। डीआरआई इंदौर के जरिए दर्ज केस में पाया गया कि अंबर ने फर्म मेसर्स अंशिका इंटरप्राइजेस के जरिए एलईडी, एलसीडी टीवी के पार्ट्स जैसे डिस्प्ले पैनल, टीकान, पीसीबी आयात किए थे। ये गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से आयात कर मंगवाए गए थे। इसमें इन पार्ट्स को अलग श्रेणी में दिखाकर कस्टम ड्यूटी की चोरी की गई। यह चोरी जांच में अब तक 4.18 करोड़ की सामने आ चुकी है। जांच अभी जारी है। जिला कोर्ट में डीआरआई की ओर से सीनियर स्टेंडिंग काउंसिल प्रसन्ना प्रसाद, विशेष लोक अभियोजक चंदन एरन ने पक्ष रखा। इसके बाद इंदौर जिला कोर्ट ने 24 जनवरी तक जेल भेजने के आदेश दिए। वहीं सुनवाई में डीआरआई के क्षेत्राधिकार का मुद्दा भी उठाया गया। इस पर एजेंसी ने बताया कि 31 मार्च 2022 के नोटिफिकेशन के तहत वह देश में कहीं भी जांच कर सकते हैं। केस किस कोर्ट में पेश होगा, इसके लिए अगली सुनवाई में एजेंसी के जरिए तर्क रखे जाएंगे। अन्यथा संबंधित क्षेत्र के कोर्ट में केस पुटअप किया जाएगा।

भागीरथपुरा पर दो एसीएस आए, लेकिन मौतों के आंकड़े सब एक-दूसरे पर डाल रहे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर भागीरथपुरा हादसे को सामने आए 12 दिन हो चुके हैं, लेकिन आखिर इस गंदे पानी के चलते कितनी मौत हुई है। इस सवाल का जवाब शासन से लेकर प्रशासन तक किसी के पास नहीं है। इंदौर में भागीरथपुरा मुद्दे की समीक्षा के लिए भोपाल से दो एसीएस स्तर के सीनियर आईएएस नीरज मंडलोई और अनुपम राजन इंदौर आए। लेकिन मौतों के आंकड़ों पर उन्होंने भी पल्ला झाड़ लिया।

भागीरथपुरा मामले में अभी तक 20 मौतों की बात सामने आ चुकी है। जब मंडलोई और राजन से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मरने वालों की संख्या क्लियर है। इस संबंध में कलेक्टर साहब से पूछिए, कितनों को मुआवजा दिया है। संभागायुक्त डॉ. सुदाम पी खाड़े भी कह रहे हैं कि इस मामले में कलेक्टर शिवम वर्मा बताएंगे। वहीं कलेक्टर का कहना है कि इसके लिए डैथ एनालिस हो रहा है। अभी रिपोर्ट नहीं आई है। उधर प्रशासन द्वारा

18 मृतकों के परिजनों को मुआवजा राशि दो-दो लाख रुपए दी गई है, जिसे प्रशासन द्वारा राहत राशि का नाम दिया गया है। इस पर कलेक्टर शिवम वर्मा का कहना है कि यह राहत राशि दुखद घटना के लिए मदद के रूप में दी जाती है। वहीं जैसा द सूत्र ने खुलासा किया था कि बोरवेल का पानी दूषित पाए गए। इसमें घातक फीकल कोलीफार्म बैक्टिरिया पाया गया है। यह बोरवेल नर्मदा की मुख्य लाइन में जुड़े पाए गए, जिससे यह दूषित पानी सभी जगह चला गया। इस मुद्दे पर राजन ने कहा कि इन बोरवेल के मैन लाइन से कनेक्शन काट रहे हैं। इनके चलते पानी दूषित हुआ है। वहीं जो भी लीकेज है उन्हें ठीक किया जा रहा है। सभी लोग टीम में काम कर रहे हैं। राजन ने कहा कि साफ पानी के लिए सीएम शुद्ध पेयजल को लेकर राज्य शासन अभियान शुरू कर रहे हैं। इसमें कई गतिविधियां होगी। इंदौर शहर की वाटर सप्लाय की मानीटर करने पर भी काम होगा। वाटर क्वालिटी का रियल टाइम जांच और मानीटरिंग की व्यवस्था भी रहेगी। सभी मुद्दों पर बात की है। मैन लाइन में जुड़ने वाले बोरवेल को सील करेंगे। टंकियों का पानी ठीक मिला है, 12-13 से इसकी सप्लाय शुरू कर देंगे। लेकिन सलाह रहेगी कि पानी को उबालकर पिएं। महामारी जैसी स्थिति थी, उस पर नियंत्रण रहे। संख्या लगातार मरीजों की कम हो रही है। सभी टीम लगी है। डायरिया केस में कमी आई है। पूरा अमला लगा हुआ है।

मेडिकल बुलेटिन में यह दी जानकारी

वहीं स्वास्थय विभाग से जारी मेडिकल बुलेटिन से सामने आया है कि शुक्रवार को 20 नए मरीज आए जिसमें से दो को अस्पताल रैफर किया गया। वहीं अभी तक 414 मरीज सामने आ चुके हैं जिसमें से 325 स्वस्थ हो चुके हैं और 45 अभी भी अस्पताल में है। आईसीयू में 11 मरीज है।

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष उदय चिब के बयान पर बवाल

जिन्ना को 'जी' कहने पर छिड़ी सियासी जंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के बयान ने नया बवाल खड़ा कर दिया। उन्होने देश की आजादी के महान बलिदानियों के साथ मुहम्मद अली जिन्ना का नाम लिया। साथ ही उन्हें जिन्ना जी कहकर संबोधित किया। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने भागीरथपुरा में हुए दूषित पानी के कांड को लेकर 10 जनवरी को इंदौर में प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी सरकार को घेरा और कहा कि पहले भी इस तरह की घटनाएं हुई है। सिरप कांड हुआ, एमवायएच में चूहा कांड हुआ लेकिन जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस घटना के लिए जिम्मेदारों को इस्तीफा देना चाहिए। साथ ही उन पर गैर इरादतन हत्या का केस हो।

उदय भानु ने कहा- अंग्रेजों ने आसानी से नहीं दी थी आजादी, इसमें हमारे पूर्वजों की जान गई थी, उनका बलिदान था। बहुत से नेता जेल गए थे...भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और जिन्ना जी। कितने लोग जेल में रहे और ऐसे हजारों सैकड़ों हैं, जिनके बलिदान के बाद देश को आजादी मिली।

चिब ने कहा कि भागीरथपुरा में लगातार मरीज आ रहे थे और 6 माह से शिकायतें हो रही थी। लेकिन जिम्मेदार सोए रहे। समय पर कार्रवाई होती तो यह हालत नहीं होते। इस दौरान यूथ कांग्रेस प्रदेश प्रभारी शिवि चौहान, प्रदेश अध्यक्ष यूथ कांग्रेस यश गंगोरिया, रूपेश भदौरिया व यूथ कांग्रेस इंदौर अध्यक्ष अमित पटेल भी थे। चिब यूथ कांग्रेस इंदौर द्वारा आयोजि विरोध प्रदर्शन में भी शामिल हुए। उनके साथ जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े, वरेश पाल जादौनव अन्य भी थे। उधर चिब के बयान पर बीजेपी के विधानसभा तीन के विधायक गोलू शुक्ला ने कहा कि यह बयान निंदनीय है। इससे एक बार फिर कांग्रेस का पाकिस्तान के प्रति प्रेम दिखता है। ऐसे व्यक्ति को कांग्रेस ने यूथ राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जो जिन्नाजी कह रहे हैं।

जिन्ना की मजार पर कौन गया था- कांग्रेस

वहीं इस मामले में अब कांग्रेस चिब के बचाव में आई है। प्रवक्ता अमित चौरसिया ने कहा कि बीजेपी विधायक शुक्ला का कांग्रेस पर 'पाकिस्तान प्रेम' का आरोप हास्यापद है। उन्हें याद रखना चाहिए कि उनके वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं पूर्व प्रधानमंत्री पद के दावेदार लालकृष्ण आडवाणी जी स्वयं पाकिस्तान गए थे, और वहां पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की मजार पर चादर चढ़ाकर आए थे। साथ भारत की आजादी मे उनके महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया था। अब गोलू शुक्ला जी बताएं — यह कौन-सा देशभक्ति प्रेम था? यह कौन-सा राष्ट्रवाद था?

नकली पान मसाला बनाने वाली कंपनी का भंडाफोड़

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में मिलावट खोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत पुलिस कमिश्नर नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह द्वारा प्रभावी कार्यवाही निर्देश दिये गये हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में एवं अति. पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह व पुलिस उपायुक्त जोन- 2 श्री कुमार प्रतीक अति. पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री अमरेन्द्रसिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदनसिंह मंडलोई के निर्देशन मे नकली पान मसाला वाली अवैध फैक्ट्री पर कार्यवाही की गई है।

संक्षिप्त विवरण:- थाना कनाडिया को दिनांक 11.01.25 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना कनाडिया क्षेत्र सहारा सिटी होम्स बिचोली मरदाना बायपास स्थित मकान मे अवैध गतिविधि चल रही है।

थाना प्रभारी कनाडिया डॉ. सहर्ष यादव द्वारा मुखबर सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम गठित कर एसीपी खजराना जोन 02 इंदौर से सर्च वारंट प्राप्त कर सहारा सिटी मकान नंबर एस 19 को सर्च किया गया तो मुखबिर सूचना सही पाई गई। मकान के अंदर तीन व्यक्ति व नकली पान मसाला बनाने उपकरण मौजूद थे विमल पान मसाला जैसा हूबहू सैंपल नकली पान मसाला बड़ी मात्रा में तैयार कर बाजारों में सप्लाई की जा रही थी। थाना कनाडिया पर 318 (4), 349 (ए), 3(5) बी.एन.एस 51, 63 कॉपीराइट एक्ट के तहत आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया। जप्त माश्रुका पाऊच पेकेंग मशीन, पाऊच सीलींग मशीन, सुपारी ओवन ड्रायर, सुपारी कटर मशीन, विमल रोल, मैग्नीशियम कार्बोनेट, कत्था, चूना, टबैको लिक्विड, थैली विमल पान मसाला।

प्रखर कासलीवाल को कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता आनंद जैन कासलीवाल के सुपुत्र स्व. प्रखर कासलीवाल के आकस्मिक निधन से पूरा कांग्रेस परिवार गहरे शोक में है। एक होनहार युवा की असमय विदाई ने न केवल कासलीवाल परिवार बल्कि समूचे समाज और राजनीतिक जगत को स्तब्ध कर दिया है। यह दु:खद क्षति शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती।

सड़क दुर्घटना में हुई इस हृदयविदारक घटना पर शोक प्रकट करने एवं परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने हेतु कांग्रेस के वरिष्ठ

नेता पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधायक जयवर्धन सिंह,सचिन यादव एवं कमलेश्वर पटेल कनाड़िया स्थित मिलन ग्रीनस निवास पर जाकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अमित चौरसिया ने जानकारी देते हुए कहा — भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से हुई 21 निर्दोष नागरिकों की दर्दनाक मृत्यु के विरोध में कांग्रेस द्वारा आयोजित न्याय यात्रा में सम्मिलित होने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इंदौर आए थे। न्याय यात्रा संपन्न होने के पश्चात वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस परिवार की ओर से शोक संवेदना व्यक्त करने हेतु स्व. प्रखर कासलीवाल के निवास पहुंचकर परिजनों से भेंट की और गहन संवेदना व्यक्त की। इससे पूर्व भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश सह प्रभारी उषा नायडू,राष्ट्रीय सचिव संजय दत्त, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, पूर्व विधायक रवि जोशी,जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े,शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे,श्री राजेश चौकसे, गिरधारी नगर सहित अनेक कांग्रेसजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कांग्रेस ने निकाली न्याय यात्रा : मुआवजे और आपराधिक केस की मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के भागीरथपुरा में गंदे पानी के कारण 21 लोगों की जान चली गई। इस मामले में रविवार 11 जनवरी कांग्रेस ने बड़ा गणपति चौराहा से कांग्रेस ने न्याय यात्रा निकाली। इस दौरान प्रदेश के सभी बड़े नेता मौजूद रहे। कांग्रेस ने इस दौरान पीड़ितों को 1 करोड़ के मुआवजे के साथ ही दोषियों पर आपराधिक केस की मांग की।

इंदौर के भागीरथपुरा कांड को लेकर कांग्रेस मामले को जनहित का मुद्दा बनाने में लगी है। इसके तहत रविवार को बड़ा गणपति से राजबाड़ा तक न्याया यात्रा का आयोजन किया गया। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महापौर और बीजेपी के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस पीड़ित परिवारों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। कांग्रेस की न्याय यात्रा में महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों की भागीदारी रही।

न्याय यात्रा में मध्यप्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, राष्ट्रीय सचिव एवं सह प्रभारी उषा नायडू, संजय दत्त, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, मीनाक्षी नटराजन, अजय राहुल सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, फुल सिंह बर्या, कांतिलाल भूरिया, विधायक हनी बघेल, विधायक मोंटू सोलंकी, विजय लक्ष्मी साधो, प्रताप सिंह ग्रेवाल, विधायक पंकज उपाध्याय, सत्यनारायण पटेल, सचिन यादव, रवि जोशी, सेवादल प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया, युवा कांग्रेस अध्यक्ष यश घंगोरिया, निलय डागा, प्रतिभा रघुवंशी, राकेश पाटीदार, गजेंद्र सिसोदिया सहित विधायक दल बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यात्रा का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने किया, यात्रा का संचालन पार्षद राजू भदौरिया, लोकेश हार्डिया ने किया।यात्रा के दौरान हाथों में तख्तियां थी। इसमें जिम्मेदारों से इस्तीफा मांगा गया। साथ ही लिखा था कि 'नर्मदा के अमृत में मिला दिया मानव मल-मूत्र का ज़हर', 'पानी मांगा था-ज़हर पिला दिया', '1 लाख करोड़ का हिसाब दो', भाजपा सरकार एक गिलास साफ पानी भी नहीं दे सकी'। इस दौरान दीपू यादव,रघु परमार, राधेश्याम पटेल, प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया, मोती सिंह पटेल, अमित पटेल, रजत पटेल, सोनिला मीमरोट, रिटा डांगरे आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे। इधर, न्याय यात्रा में चल रही गाड़ी की छत पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार चढ़ गए।

अब कहां है भगवाधारी

उमंग सिंघार ने कहा कि बांग्लादेश में जो हिंदू मारे गए उनकी चिंता कर रही है बीजेपी लेकिन भागीरथपुरा में भी हिंदू ही मरे हैं। अब सारे भगवाधारी कहां गए क्यों भागीरथपुरा का मुद्दा नहीं उठा रहे हैं। वहीं प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि बीजेपी धार्मिक कट्टरता और नफरत के दम पर बहका कर वोट ले रही है। इतने सालों में सत्ता में रहने के बाद भी साफ पानी नहीं दे पा रही है। कांग्रेस एक नया अभियान शुरू करेगी और हम वाटर ऑडिट करेंगे हर एरिया में जाकर पानी की जांच कराएंगे और बताएंगे कि पानी साफ है कि नहीं है। पटवारी ने कहा की अब लोगों को कांग्रेस की मदद करना है। हम तो लगातार मुद्दे उठा रहे हैं लेकिन अब वह बीजेपी का चाल चरित्र पहचाने और कांग्रेस को मजबूत करें।

आरएसएस के हिंदू सम्मेलन पर बोले दिग्विजय सिंह भागीरथपुरा में जो मरे वो भी हिंदू थे, जयवर्धन बोले कमीशनखोरी के कारण मौतें

कांग्रेस की न्याय यात्रा के लिए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह इंदौर पहुंचे हैं। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि इस पूरे भागीरथपुरा मामले की जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज से होनी चाहिए। साथ ही इसकी पब्लिक हियरिंग भी होनी चाहिए। जांच में जो भी अधिकारी, कर्मचारी या नेता शामिल होंगे, उनकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, ताकि दूसरों को नसीहत मिले। इसलिए न्यायिक जांच जरूरी है। इसमें जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके इस्तीफे होने चाहिए। आरएसएस के जरिए शताब्दी वर्ष के मौके पर हिंदू सम्मेलन आयोजित हो रहे हैं। इसको लेकर सिंह ने कहा कि जो भागीरथपुरा में मरे, वह सभी हिंदू ही थे। ऐसे में यह आयोजन टाले जा सकते थे। क्यों बार-बार इस देश को आग लगाना चाहते हैं। वहीं उनके पुत्र और कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे जयवर्धन सिंह ने भागीरथपुरा कांड पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस पूरे कांड के लिए बीजेपी सरकार और नेताओं की कमीशनखोरी जिम्मेदार है। अमृत योजना में करोड़ों की फर्जी डीपीआर बनाई गई है। बीजेपी सरकार सत्ता के नशे और अहंकार में डूबी हुई है। यह पोस्टर, भंडारे में ही माहिर है और आम जनता की सुविधाओं से कोई वास्ता नहीं है। इस मामले के लिए पहले तो कमीशनखोरी जिम्मेदार है और दूसरा कारण एमआईसी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।